श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 31 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
03 अगस्त 2025 रविवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

1.27 करोड़ महिलाओं के खाते में 1500 रुपए भेजने की तैयारी

1600 करोड़ रुपए का रक्षाबंधन गिफ्ट देने की तैयारी में सरकार

उज्जैन/भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज सुबह से उज्जैन में व्यस्त हैं उन्हें आज महिलाओं ने राखी भी बांधी। दूसरी तरफ भोपाल में सरकार के शीर्ष अफसर प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनाओं को सीएम की घोषणा के मुताबिक अगले हफ्ते रक्षाबंधन गिफ्ट के रूप में 1500 रुपए देने की तैयारी में जुटे हैं। इसमें 1250 रुपए लाड़ली बहना योजना की नियमित मासिक किस्त के रूप में होंगे, जबकि 250 रुपए अलग से रक्षाबंधन त्योहार के उपलक्ष्य में दिए जाएंगे। सीएम यादव उक्त राशि लाड़ली बहनाओं के खाते में ट्रांसफर करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक 1.27 करोड़ लाड़ली बहनाओं को करीब 1600 करोड़ रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा गत माह की थी। सूत्रों की मानें तो सरकार का प्रयास है कि यह राशि दो-तीन दिन के भीतर महिलाओं के खाते में पहुंचाने की तैयारी है ताकि 9 अगस्त को रक्षाबंधन त्योहार पर

उक्त राशि का उपयोग हो जाए। पूर्व में यह राशि गत माह जुलाई में ही दी जानी थी लेकिन कार्यक्रम ऐन वक्त पर स्थगित हो गया था।

आज उज्जैन में सीएम ने वर्चुअली केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस और रीवा-पुणे एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। फिर 58वीं मप्र जूनियर स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप के समापन समारोह में प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए तथा नागझिरी स्थित बेस्ट लाइफ स्टाइल कॉरपोरेशन कंपनी की कर्मशील बहनों से राखी बंधवाई और उन्हें उपहार भी दिए।न यादव और केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस और रीवा ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

बारिश व बाढ़ प्रभावितों को 28.49 करोड़ – इधर मप्र के कुछ जिलों में बीते दिनों भारी बारिश से नुकसान के मामले में सरकार ने खजाने का मुंह खोला है। दरअसल विदिशा, रायसेन समेत जिन 8 जिलों में बारिश व बाढ़ से लोग प्रभावित हुए थे, उन्हें सरकार ने 28.49 करोड़ रुपए की राहत दी है। इसके अलावा 3000 लोगों की राहत शिविरों में मदद की जा रही है। इस बीच सीएम यादव ने कलेक्टरों को कहा है कि प्रभावितों को कोई दिक्कत न हो तथा नुकसान की भरपाई भी करें। सरकार का दावा है कि बारिश व बाढ़ से प्रभावित 3628 लोगों को रेस्क्यू किया गया। उन्हें दवा कपडे आदि सभी प्रकार की जरूरी मदद पहुंचाई जा रही है।

सीएम के निर्देश पर एनडीआरएफ की टीमों को भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और धार समेत संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। 259 संवेदनशील क्षेत्र चिन्हांकित कर डिजास्टर रिस्पॉस सेंटर बनाए है ।

मप्र में कल से कुछ संभागों में बरसात

मानसून.. बनारस व प्रयाग के एक लाख घरों में घुसा पानी

नई दिल्ली, एजेंसी

मानसून ने मप्र को चार दिन से राहत दे रखी है लेकिन उत्तर प्रदेश में तेज बारिश के कारण 12 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। इनमें प्रयागराज, काशी जिले शामिल हैं। वाराणसी और प्रयागराज में तो गंगा का पानी एक लाख से अधिक घरों में घुस गया है। लोग घर की देहरी से ही गंगा का पूजन कर रहे हैं। आज सुबह ही गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 20 सेमी ऊपर रहा। उधर बिहार के सभी 38 जिलों में आज तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है। पटना में सड़कों पर दो दो फीट तक पानी भरा है। राजस्थान के 9 जिलों में भी बारिश का यलो अलर्ट है। यहां बीकानेर के नोखा में दो मकान ढह गए।

मध्यप्रदेश में 9 जिलों में आज तेज बारिश के आसार हैं यहां4 इंच तक पानी गिर सकता है। लेकिन कल से ग्वालियर व सागर संभाग मे बारिश का दौर शुरू हो सकता है। यह दौर 4 से 6 अगस्त के दौरान बारिश कराएगा। उधर भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि महाराष्ट्र सहित मध्यभारत में कम से कम अगले 10 दिनों तक मानसून के अतिसक्रिय होने की संभावना नहीं है। दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में मॉनसून 6 अगस्त के बाद सक्रिय होने की संभावना है।

तीन दिन से मुठभेड़, अब तक तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर , एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के अखल देवसर इलाके में तीसरे दिन भी आतंकियों से मुठभेड़ जारी है। आज भी सुबह एक और आतंकवादी मारा गया है। जबकि कल दो आतंकी मारे गए थे। जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों ने कुलगाम में लश्कर-ए-ताइबा के आतंकियों को घेर रखा है। ये अखल के जंगल में छिपे थे। एक सैन्य अधिकारी के घायल होने की भी सूचना है। क्षेत्र में और आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका के चलते सैन्य ऑपरेशन जारी है। दो आतंकियों के शव ड्रोन से देखे गये हैं। इनमें मारा गया हरिस लश्कर के सी श्रेणी का आतंकी था। बायसरन आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की ओर से जारी 14 आतंकियों की सूची में हारिस का भी नाम था।

ये आकाशवाणी है...अब उज्जैन में स्टूडियो बनेगा

भोपाल,दोपहर मेट्रो। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय ने उज्जैन मे आकाशवाणी का स्टूडियो सेटअप स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस सिलसिले में सूचना प्रसारण सचिव संजय जाजू ने मुख्यमंत्री से उनके निवास पर मिलकर इस आशय का स्वीकृति पत्र प्रदान किया। यादव ने इस पर कहा कि मालवा क्षेत्र की समृद्ध कला और सांस्कृतिक परम्पराएं हैं तथा सूचना युग में प्रसारण माध्यमों का विशेष महत्व है। चूंकि आकाशवाणी की अपनी प्रामाणिकता है लिहाजा मालवा अंचल में उज्जैन में भी आकाशवाणी स्टूडियो सेटअप की आवश्यकता थी। यादव ने बीते दिनों केंद्रीय मंत्री एल मुरूगन से भेंटकर स्टूडियो सेटअप का आग्रह किया गया था।

यूक्रेन के परमाणु संयत्र पर हमले का दावा

कीव। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने दावा किया है कि यूक्रेन के एक परमाणु केंद्र पर हमला हुआ है। जापोरिजिया परमाणु केंद्र के नजदीक धमाके की आवाज सुनी और परमाणु केंद्र के एक हिस्से से धुंआ उठता देखा। अभी धमाके में हुए नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने दावा किया यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु केंद्र पर तैनात उनकी एक टीम ने परमाणु केंद्र के नजदीक धमाकों की आवाज सुनी और साथ ही नजदीकी ठिकाने से धुआं उठता देखा। परमाणु संयंत्र की एक सहायक सुविधा पर यह हमला हुआ। परमाणु निगरानी संस्था ने कहा, जापोरिजिया परमाणु ऊर्जा केंद्र की सहायक सुविधा, मुख्य केंद्र की परिधि से 1,200 मीटर की दूरी पर स्थित है।

खालिस्तान विरोधी सुखी की कैलिफोर्निया में संदिग्ध मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका में रहने सिख बिजनेसमैन और सोशल एक्टिविस्ट सुखी चहल की कैलिफोर्निया में संदिग्ध परिस्थितयों में मौत हो गई। सुखी खालिस्तानियों के कट्टर विरोधी थे। उनके करीबी दोस्त जसपाल सिंह के मुताबिक वे अपने परिचित के घर खाने पर आमंत्रित थे। डिनर के कुछ ही देर बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्हें खालिस्तानियों से भी लगातार धमकियां मिल रही थीं।

महज 15 घंटे में स्पेसएक्स ने चार एस्ट्रोनॉट को पहुंचा दिया अंतरिक्ष

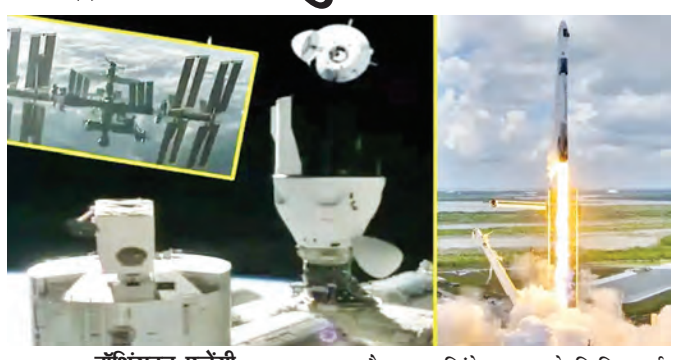

वॉशिंगटन, एजेंसी

अरबपति इलान मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष में कमाल की उपलब्धि हासिल की है। स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष यात्रियों के एक नए दल को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर मात्र 15 घंटे में पहुंचा दिया। इस टीम में चार अमेरिकी, रूसी और जापानी अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, जिन्हें नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। वे आईएसएस पर मार्च से मौजूद अपने चार साथियों की जगह लेंगे और कम से कम छह महीने स्पेस स्टेशन पर बिताएंगे। स्पेसएक्स कैप्सूल पहले से मौजूद चारों अंतरिक्ष यात्रियों को बुधवार तक वापस लेकर आएगा।

स्पेसएक्स से जिन यात्रियों को भेजा गया था, उनमें नासा की जेना कार्डमैन और माइक फिंके, जापान के किमिया युई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव भी पहुंच रहे हैं। कार्डमैन और एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को पिछले साल स्पेसक्स की एक उड़ान से बाहर कर लिया गया था, ताकि अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे बोइंग स्टारलाइनर के दो यात्रियों सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर को वापस लाया जा सके। फिंके और युई अगले बोइंग स्टारलाइनर मिशन के लिए प्रशिक्षण ले रहे थे, लेकिन थ्रस्टर और दूसरी समस्याओं के कारण इसके 2026 तक उड़ान भरने की संभावना नहीं है। इसके बाद दोनों ने स्पेसएक्स का रुख किया। प्लैटोनोवट को कुछ साल पहले एक अज्ञात बीमारी के कारण सोयुज प्रक्षेपण सूची से हटा दिया गया था। उनके पहुंचने के बाद अंतरिक्ष स्टेशन में वर्तमान संख्या अस्थायी रूप से 11 हो गई है।

गमछे के सहारे दीवार फांदकर 4 कैदी फरार

कोरबा एजेंसी। जिला जेल कोरबा में बंद दुष्कर्म के चार विचाराधीन बंदी गमछे में लोहे के एंगल को लंगर बना कर 25 फीट ऊंची दीवार फांद कर फरार हो गए। गौशाला में काम करने के लिए बंदियों को बैरक से बाहर निकाला गया था। जेल ब्रेक की इस घटना से अधिकारियों में हड़कंप मचा है। पुलिस व जेल कर्मी जंगल में बंदियों की तलाश का प्रयास कर रहे हैं। जेल परिसर में लगी सीसीटीवी में पूरी घटनाक्रम कैद हो गई है। बताते हैं कि कैदियों की कई दिनों से ड्यूटी जेल परिसर की चारदीवारी के अंदर संचालित गोठान में थी। इन्हें बीमार गाय की सेवा की जिम्मेदारी दी गई थी। यहां उद्यानिकी कार्य के लिए रखे रोलर को खींचने वाली लंबी राड का इस्तेमाल लंगर बनाने के लिए किया गया और गमछा से गमछा बांध कर उसे रस्सी बना लिया। कैदियों ने जेल दीवार में बिछाए गए बिजली के तार के चलते इस घटना को तब अंजाम दिया जब जेल परिसर की बिजली बंद थी ताकि करंट का खतरा न हो।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर मुगालते में ट्रंपः विलियम

नई दिल्ली एजेंसी

जाने-माने इतिहासकार विलियम डेलरिम्पल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आंखें खोलने वाली बातें कही हैं। उन्होंने ट्रंप के भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड' बताने वाले बयान को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि भारत अभी अमेरिका से इस दौड़ में बहुत आगे है। उनके मुताबिक, भारत की इकॉनमी डेड के बजाय पिछले साल अमेरिका की तुलना में दोगुनी तेजी से बढ़ी। इस साल यह अमेरिका की तुलना में तीन गुना तेजी से बढ़ेगी। डेलरिम्पल स्कॉटिश इतिहासकार हैं। वह भारत

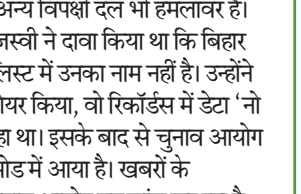

के इतिहास के भी गहरे जानकार माने जाते हैं। उनकी प्रतिक्रिया से साफ है कि ट्रंप भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर मुगालतों में हैं। आईएमएफ का भी अनुमान है कि 2025 और 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। वहीं, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 1.9 प्रतिशत से लेकर 2 फीसद तक ही बढ़ने की उम्मीद है।

मेट्रो एंकर

सियासी घमासान के बीच बिहार में नया मोड़, तेजस्वी की जांच शुरू

मतदाता सूची में अभी तक कई जिंदा-मृतक हैं मौजूद!

पटना/नई दिल्ली एजेंसी

बिहार की वोटर लिस्ट पर मचे घमासान के बाद अब अपना नाम काटने का आरोप लगाने वाले आरजेडी नेता तेजस्वी यादव खुद घिर रहे हैं। चुनाव आयोग ने उनके पास दो दो मतदाता कार्ड होने की आशंका के आधार पर जांच शुरू कर दी है। हालांकि बिहार के 7.2 करोड़ मतदाताओं वाली ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में SIR के दौरान 65 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाने वाला विवाद कायम है। बताते हैं कि इनमें से 22 लाख मतदाताओं को मृत घोषित कर दिया गया है, जबकि बाकी शहरी मतदाताओं के स्थानांतरण, अंतरराज्यीय प्रवासियों और बॉर्डर पार पारिवारिक संबंधों वाले मतदाताओं जैसी जटिल श्रेणियों में आते हैं। इस कार्रवाई के पीछे क3 काण बताए जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक पटना

में बूथ लेवल अधिकारियों ने 24 जून के बाद जब पूर्व-भरे हुए प्रगणन फॉर्म वितरित करने के लिए घर-घर जाकर छानबीन की, तो कई लोगों को मतदाता वहां नहीं मिला या पता ही मौजूद नहीं था। कई मतदाता शहर के भीतर ही इधर से उधर चले गए थे तो कई दूसरी जगहों पर जाकर बस गए थे। शहरों में इसे आम बात माना जाता है। समय सीमा नजदीक आने और चुनाव आयोग से दैनिक अपडेट के दबाव के कारण, बीएलओ टीमों ने नगर निगम के साथ मिलकर काम किया। लापता मतदाताओं का पता लगाने के लिए स्वच्छता कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर लगभग खाली फॉर्म वितरित किए गए। इन प्रयासों के बावजूद, अकेले पटना जिले के 14 विधानसभा क्षेत्रों में 3.95 लाख नाम हटा दिए गए हैं। कहा जा रहा है कि अभी भी वोटर लिस्ट में कई 'जिंदा मृतक' बाकी हैं।

यह बिहार का चुनावी साल है। राष्ट्रीय जनता दल नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव चर्चा के तेवर मतदाता सूची को लेकर सख्त भी हैं। कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल भी हमलावर हैं। इस बीच कल तेजस्वी ने दावा किया था कि बिहार की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में उनका नाम नहीं है। उन्होंने जो EPIC नंबर शेयर किया, वो रिकॉर्डस में डेटा 'नो फाउंड' शो कर रहा था। इसके बाद से चुनाव आयोग तत्काल एक्शन मोड में आया है। खबरों के मुताबिक, अब चुनाव आयोग यह जांच कर रहा है कि तेजस्व के उस वोटर कार्ड की सच्चाई क्या है, जो उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेयर किया है। आशंका जताई गई है कि तेजस्वी के पास दो कार्ड है। आयोग अधिकारियों का कहना है कि उनका नाम ड्राफ्ट लिस्ट में सीरियल नंबर 416 पर मौजूद है।

नैक टीम ने 3 दिन तक 7 मानदंडों पर विवि का किया था निरीक्षण

बीयू को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद से मिला ए ग्रेड

भोपाल दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) को ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। सात सदस्यीय नैक टीम ने 23 जुलाई से 3 दिन तक 7 मानदंडों पर विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया था, जिसके बाद यह परिणाम आया है। बीयू की इस सफलता का लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा।इससे बेहतर प्लेसमेंट के अवसर और रोजगार क्षमता में वृद्धि, आधुनिक प्रयोगशालाओं, कार्यशालाओं और परियोजनाओं तक पहुंच और अंतरराष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेने के मौके मिलेंगे। डिस्टेंस मॉड से बंद पड़े संस्थान को फिर से अपने कोर्स को संचालित करने का अवसर प्राप्त हो जाएगा जो कि पूर्व में मिले ग्रेड के कारण बंद हो गया था। इसके अतिरिक्त देशी एवं विदेशी संस्थानों से शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए एवं बेहतर शोध के अवसर प्रदान करने के लिए फंड एवं कोलैबोरेशन भी बढ़ेगा। अकादमिक और इंडस्ट्री पार्टनरशिप के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन ने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और सामूहिक प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की तैयारी पूरी थी और 2023 में दिए गए सभी सुझावों को लागू किया गया था। उन्हें पूरा विश्वास था कि इस बार बेहतर ग्रेड मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

2023 में बीयू को बी ग्रेड मिला था- उल्लेखनीय है कि 2023 में बीयू को बी ग्रेड मिला था। उस निराशाजनक परिणाम के बाद, विश्वविद्यालय ने आत्म-चिंतन किया और नैक टीम द्वारा दिए गए सभी सुझावों पर गंभीरता से काम करना शुरू किया। इसी कारण बीयू ने दो साल बाद 2025 में खुद ही पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया। कुलगुरू प्रो. एसके जैन द्वारा विश्वविद्यालय के कुलगुरु बनने के बाद विश्वविद्यालय ने न सिर्फ नेक में ए ग्रेड प्राप्त किया है, बल्कि विगत दो वर्षों में विश्वविद्यालय को पीएम उषा के अंतर्गत 100 करोड़ की राशि भी प्राप्त हुई।?जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने, अधो संरचना के विकास साथ ही शोध को बढ़ावा देने में उपयोगी साबित हो रहा है। इसी अवधि में विश्वविद्यालय को ग्लोबल रैंकिंग में भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त हुआ है। अपनी तैयारियों का जायजा लेने के लिए, बीयू ने 21 जुलाई को एक मॉक विजिट भी आयोजित की थी। इसमें एक बाहरी फैकल्टी और दो बीयू के फैकल्टी सदस्यों ने नैक टीम की तरह ही निरीक्षण किया। इस दौरान जो भी कमियां सामने आईं, जैसे रंगाई-पुताई और साफ-सफाई, उन्हें तुरंत दूर किया गया।

जनवरी में किया था आवेदन

बीयू ने जनवरी में नैक के लिए पहला (प्रिलिम्स) आवेदन किया। इसमें पास होने के बाद मार्च में नैक ने फाइनल डॉक्यूमेंट सब्मिट करने के लिए आमंत्रित किया। इसके जवाब में बीयू ने 26 अप्रैल को अपने फाइनल डॉक्यूमेंट जमा किए।

इसके बाद एक लंबी सवाल-जवाब की प्रक्रिया चली। अंत में 19 जून को इसे पूरी तरह से एक्सेप्ट कर लिया गया। इन डॉक्यूमेंट और एविडेंस का नैक की रैंकिंग में 70 प्रतिशत भाग होता है। इसमें सफल होने के बाद बचे हुए 30 प्रतिशत के लिए 7 सदस्यीय नैक टीम के निरीक्षण का पत्र जारी हुआ। यही टीम बुधवार को बीयू पहुंचेगी।

यह क्यों जरूरी

- यह संस्थान की शिक्षा, रिसर्च और बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता को मापता है।
- नैक ग्रेड से कॉलेज/विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत होती है।
- छात्रों को बेहतर शिक्षा, प्लेसमेंट और रिसर्च अवसर मिलते हैं।
- सरकारी और निजी फंडिंग के लिए नैक ग्रेड एक अहम मानक है।
- संस्थान की रैंकिंग और विश्वसनीयता का निर्धारण इसी आधार पर होता है।

क्या है नैक?

नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (नैक) एक स्वायत्त निकाय है। जो उच्च शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता का मूल्यांकन और मान्यता प्रदान करता है।

पहली बार 5 सदस्य जुड़े ऑनलाइन

अब तक नैक की टीम में 6 सदस्य आते थे। यह मिलकर इस पूरे निरीक्षण को पूरा करते थे। हाल ही में इस पैटर्न में बदलाव किया गया। इसके तहत बीयू में यह पहला निरीक्षण हुआ, जब नैक की टीम में 7 सदस्य शामिल थे। इनमें से 5 ऑनलाइन जुड़े व 2 संस्थान में मौजूद रहे।

'लावारिस' बुजुर्ग की मार्मिक कहानी सामने आई

डीएसपी की रील से 40 साल पहले गुमशुदा एसआई को मिला 'आसरा'

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी के वृध्दाश्रम 'आसरा' ने अपनी सार्थकता को फिर साबित किया है। यहां बुजुर्ग अपने परिजनों से कटने के बाद या किसी अन्य मजबूरी के चलते यहां छत पाते हैं लेकिन ऐसे ही एक बेबस बुजुर्ग ने यहां से अपना परिवार वापस पा लिया है। यह बडी मार्मिक घटना है। दरअसल, हाल में जब डीएसपी संतोष पटेल अपनी पत्नी का जन्मदिन हाल में भोपाल के 'आसरा वृद्धाश्रम' पहुंचे। वहां उनका ध्यान एक बुजुर्ग व्यक्ति की ओर गया, जो बाकी बुजुर्गों से थोड़ा अलग थे। बातचीत में उन्होंने अपना नाम पूनसिंह ठाकुर बताया और दावा किया कि वे कभी पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर थे। उन्होंने अपनी उम्र करीब 85 साल बताई। आश्रम संचालक मोहन सोनी और व्यवस्थापक समीना मसीह का कहना है कि पून सिंह मानसिक रूप से अस्थिर अवस्था में करीब आठ महीने पहले आश्रम आए थे। धीरे-धीरे पता चला कि उनका असली नाम पूरन सिंह ठाकुर है, और वो कभी ग्वालियर, सागर और भिंड जैसे शहरों में पुलिस अधिकारी रह चुके हैं। मसीह ने बताया कि वे कहीं बेसुध पड़े हुए मिले थे तथा बार-बार यही बताते थे कि वे पुलिस में थे और ग्वालियर के किसी गांव से हैं, लेकिन बाकी कुछ याद नहीं था। आश्रम में डॉक्टरों की मदद से उनकी हालत कुछ सुधरी और तभी धीरे-धीरे बातें सामने आने लगीं।

फिर एक बाद एक जुड़ती चली गई कड़ियां

हेराल्ड ने रवि त्रिपाठी को बताया कि पूरन सिंह का चयन सब इंस्पेक्टर के तौर पर हुआ था। उनकी ट्रेनिंग सागर में हुई और बाद में पोस्टिंग ग्वालियर में रही। वहां से उनका ट्रांसफर भिंड हुआ। उस समय वे सरकारी डाक लेकर भोपाल आए थे, जहां पर मोटरसाइकिल लोन की किसी योजना के लिए उन्होंने आवेदन किया। इसी दौरान उनकी पुश्तैनी जमीन बैतूल में एक डैम परियोजना की डूब क्षेत्र में आ गई। मुआवजा लेने वे बैतूल गए जहां वे शराब की लत में फंस गए। उनकी पत्नी का एक सड़क हादसे में देहांत हो गया, जिससे उन्हें गहरा मानसिक आघात पहुंचा और कहीं चले गए।

संतोष पटेल ने जब यह बात सुनी, तो उन्हें कुछ असामान्य लगा। उन्होंने इस मुलाकात का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया। यही वीडियो बाद में उस बेटे तक पहुंचा, जो वर्षों से यह मानकर बैठा था कि उसके पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं। वीडियो ने बैतूल के कुछ जागरूक नागरिकों का ध्यान खींचा। इनमें कोठी बाजार निवासी रवि त्रिपाठी ने पूरन सिंह का असल पता लगाने का बीड़ा उठाया। त्रिपाठी ने सबसे पहले अपने मित्र गजानन सूर्यवंशी से बात की। इलाके के बुजुर्गों से संपर्क किया। कोठी बाजार के पास रहने वाले सुरेंद्र सिंह ठाकुर से पूछताछ की, जिन्होंने बताया कि एक पूरन नामक फुटबॉल खिलाड़ी उस क्षेत्र में रहता था और उसके पिता पुलिस विभाग में थे। फिर त्रिपाठी ने बैतूल के जाने-माने फुटबॉलर इकबाल भाई से संपर्क किया। उन्होंने पहचान की पुष्टि की और बताया कि यह व्यक्ति दरअसल पूरन सिंह धुर्वे उर्फ पूरन गोंड हैं, जो टेमनी गांव के रहने वाले थे। इसके बाद रवि त्रिपाठी टेमनी गांव गए और वहां प्रेम वर्मा व जॉनसन हेराल्ड (सेवानिवृत्त एसआई) से संपर्क किया तो पहचान साबित हो गई।

अब बेटा राज भी पुलकित

इधर आश्रम के रहने वाले लोगों से पता चला कि भोपाल के आसपास एक मुस्लिम परिवार के खेत में वे करीब 30-35 साल तक रहे। उस परिवार के मुखिया के निधन के बाद, उनका बेटा उन्हें आसरा आश्रम छोड़ गया। हालांकि इसको लेकर बहुत सारी बातें अभी भी साफ नहीं हैं। पूरन सिंह जब गुम हुए थे, तब उनके बेटे राज सिंह की उम्र महज डेढ़ साल थी। उन्हें उनके चाचा ने पाला। परिवार ने पूरन सिंह को मृत मान लिया और खोजबीन की कोई खास कोशिश नहीं की गई। राज सिंह की परवरिश भोपाल और फिर महाराष्ट्र के मुलताई के पास हुई। अब वे एक मेडिकल स्टोर में काम करते हैं। जब राज सिंह को पता चला कि उनके पिता जीवित हैं तो उन्होंने बताया, कभी सोचा भी नहीं था कि पिताजी मिलेंगे।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में 4 तक पंजीयन, 6 अगस्त तक होगा सत्यापन

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एनसीटीई पाठ्यक्रम संचालित करने वाले शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण शुरू हो गया है। विद्यार्थी 4 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 6 अगस्त तक होगा। मेरिट सूची का प्रकाशन 7 अगस्त को होगा। विद्यार्थियों के लिए 8 अगस्त को सीट आवंटन जारी किया जाएगा। आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेजों, टीसी माइग्रेशन के साथ भौतिक सत्यापन के लिए विद्यार्थियों को उपस्थित होकर 8 से 13 अगस्त तक लिंक इनिशिएट कराना होगा।

अब 31 अक्टूबर तक होंगे सेंट्रल सेक्टर स्कालरशिप के लिए आवेदन

भोपाल। शिक्षा मंत्रालय की सेंट्रल सेक्टर स्कालरशिप वर्ष 2025-26 के लिए नवीन और नवीनीकरण ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब आवेदन की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर 2025 तय की गई है।?इस छात्रवृत्ति को माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) के माध्यम से कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को दिया जाता है। माशिमं के 12वीं परीक्षा वर्ष 2024 में पास 80 से अधिक पर्सेंटाइल अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी नवीन छात्रवृत्ति के लिए और वर्ष 2020 से वर्ष 2023 तक के चयनित विद्यार्थी नवीनीकरण छात्रवृत्ति के लिए नेशनल स्कालरशिप पोर्टल पर आवेदन ऑनलाइन कर सकेंगे।

चालीहा उत्सव की गांधीनगर में धूम, साधना कर रहा सिंधी समाज

हिरदाराम नगर दोपहर मेट्रो

गांधी नगर स्थित झूलेलाल मंदिर में चालीहा उत्सव का 16वां दिन धूमधाम से मनाया गया। झूलेलाल के सभी भक्त इस उत्सव में पूरे जोश के साथ शामिल हो रहे हैं।

इस आयोजन को सफल बनाने में झूलेलाल युवा उत्सव समिति के अध्यक्ष महेश सड़ाना और अन्य सदस्य जैसे रवि चंदानी, सुरेश वाधवाणी, राजा संभानी, राजकुमार भागचंदनी, किशन रेलवानी, सोनू वरलानी, कमल लालवानी, सेवक राम लालवानी, कमलेश ग्वालानी, धर्मेंद्र केवलानी, मनीष वरलानी, अंकित कंजवानी और बंटो भागचंदनी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

इसके अलावा, बाल उत्सव टीम के दिनेश कंजवानी, जय किशन वासनानी, भावेश भागचंदनी और वीर रामचंदनी भी अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष अशोक प्रेमानी, झूलेलाल मार्केट अध्यक्ष खूबचंद भगचंदनी, बलराम वाधवाणी, मंशाराम आसनानी और समाजसेवी अशोक भागचंदनी भी मौजूद रहे।

मंदिर के सेवादारी श्री भगवानदास जी और महिला मोर्चा टीम की दिव्या सावलानी, चंद्रा वासवानी, रिया रामचंदनी, संजना भागचंदनी, वंशिका वाधवाणी और हीरल दीदी भी इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। सभी भक्त और सेवादार मिलकर पूरे उत्साह के साथ मौज-मस्ती कर रहे हैं और रोज भंडारे की सेवा में लगे हुए हैं।

इस महीने 12 अवकाश, सभी छुट्टी पर खुलेंगे बिजली कैश काउंटर

भोपाल। अगस्त के महीने में 12 छुट्टियां होंगी। इन सभी अवकाश के दिनों में बिजली कंपनी के कैश काउंटर उपभोक्ताओं के लिए खुले रहेंगे। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि 9 अगस्त (रक्षाबंधन), 16 (जन्माष्टमी), 27 (गणेश चतुर्थी), महीने के सभी शनिवार (2, 23, 30) और सभी रविवार (3, 10, 17, 24, 31 अगस्त) को बिल भुगतान केंद्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह खुले रहंगे।

उपभोक्ता राजधानी के जोनल ऑफिस में पीओएस मशीन से कैश के जरिए बिजली के बिल का भुगतान कर सकते हैं। वे ऑनलाइन माध्यम से भी बिल भुगतान कर सकते हैं।

बिजली बिल का ऑनलाइन भुगतान करने पर कुल बकाया बिल पर 0.50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। उच्चदाब उपभोक्ताओं को प्रति बिल कैशलेस भुगतान पर 100 रुपए से 1000 रुपए तक की छूट दी जा रही है।

दीनदयाल कन्या महाविद्यालय में 'नवारंभ' ओरिएंटेशन कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पंडित दीनदयाल उपाध्याय कन्या महाविद्यालय में नए सत्र में प्रवेश लेने वाली छात्राओं के लिए 'नवारंभ' नामक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को कॉलेज जीवन और पाठ्यक्रम से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी, सचिव सुरेश राजपाल, महाविद्यालय के संचालक पुरुषोत्तम टिलवानी और प्राचार्य डॉ. प्रिया बुधानी ने छात्राओं को संबोधित किया।

इस दौरान, वाणिज्य संकाय की विभागाध्यक्ष नीता कौल और कला संकाय की विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या वर्मा ने छात्राओं को पाठ्यक्रम और कॉलेज के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन पूनम मुखरैया ने किया।

मेट्रो एंकर

संत नगर के स्कूलों में दादा वासवानी का जन्मदिन 'क्षमा दिवस' के रूप में मना

छात्रों ने माफ़ी मांगने और माफ़ करने का संकल्प लिया

संत हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संत नगर के स्कूलों में दादा जशन वासवानी का जन्मदिन 'क्षमा दिवस' के रूप में मनाया गया। विद्यार्थियों ने जहां दादा वासवानी को याद किया, वहीं क्षमा को जीवन में शामिल करने का संकल्प भी लिया।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में शनिवार को 'क्षमा दिवस' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में दया और क्षमा जैसे मानवीय मूल्यों को विकसित करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई, जहाँ शिक्षिका अंजू गोगिया ने क्षमा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि क्षमा करना केवल दूसरों के लिए नहीं, बल्कि खुद के मन में शांति लाने का भी एक रास्ता है। पुणे स्थित साधु वासवानी मिशन की पहल पर शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इस मौके पर हर कक्षा में एक 'क्षमा पेटी' रखी गई, जिसमें बच्चों ने पर्चियों पर अपनी नकारात्मक भावनाओं को लिखकर डाला। यह पहल बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम रही। प्राचार्य ए. एन. मणिकंडन ने कहा कि स्कूल का लक्ष्य सिर्फ शैक्षणिक प्रगति नहीं, बल्कि छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास भी है। कार्यक्रम का समापन सभी

संस्कार पब्लिक स्कूल

संस्कार पब्लिक स्कूल में आज दादा जशन वासवानी का जन्मदिन 'क्षमा दिवस' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में क्षमा और सौहार्द की भावना जगाना था। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि 2 अगस्त को दादा वासवानी के जन्मदिन को क्षमा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे अपनी गलतियों के लिए माफ़ी माँगें और दूसरों को माफ़ करना सीखें। अध्यक्ष सुशील वासवानी ने बच्चों से कहा कि माफ़ी माँगने से कोई छोटा नहीं होता, इसलिए उन्हें उन लोगों को दिल से माफ़ करना चाहिए जिनके व्यवहार से उन्हें दुःख पहुँचा हो। अतिथि कविता बालचंदानी ने छोटी-छोटी बातों को दिल से न लगाने की सलाह दी, जबकि राजकुमारी चोटरानी ने दादा वासवानी को याद करते हुए कहा कि वे बच्चों से बहुत प्यार करते थे। कार्यक्रम के अंत में, सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने दादा वासवानी को नमन करते हुए क्षमा करने का संकल्प लिया। कोषाध्यक्ष चंदर नागदेव ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

साधु वासवानी स्कूल

साधु वासवानी स्कूल में आज शांति के उपासक दादा जशन वासवानी का जन्मदिन 'क्षमा दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि क्षमा करने से मन को शांति मिलती है और बदले की भावना खत्म होती है। उन्होंने सबको हमेशा खुश रहने, माफ़ करने और सेवा कार्य करने का संकल्प दिलाया। संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि क्षमा वीरों का आभूषण है और दादाजी के विचारों को जीवन में उतारना ही इस दिवस को मनाने का सही तरीका है। अतिथि कविता ने बच्चों को क्षमा, प्रेम और सद्भावना का पाठ पढ़ाने पर ज़ोर दिया। दादा वासवानी की शिष्या डॉ. राजकुमारी चोटरानी ने कहा कि संतों का जन्मदिन मनाना अपने जीवन पर उपकार करने जैसा है। उन्होंने छात्रों को संतों को नमन करने और उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में, प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल ने विद्यार्थियों को दादा वासवानी के उपदेशों को अपनाने और हमेशा अच्छे शब्द बोलने की सलाह दी, ताकि किसी को ठेस न पहुँचे।

प्रदेश में हर तीसरे दिन उद्योग जगत को नई सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बदलते दौर में भारत की भूमिका विश्व में निरंतर महत्वपूर्ण हो रही है। भारत को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था। आज भारत सोने के बाघ की तरह दहाड़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत फर्स्ट की भावना से देश के किसान और उद्योगपतियों के लिए दुनिया से लोहा लेने को तैयार हैं। उनकी मंशा के अनुरूप प्रदेश में हर दूसरे या तीसरे दिन उद्योगों को नई सौगात और युवाओं को रोजगार का लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में सीहोर के बडियाखेड़ी में 2000 करोड़ रुपए के निवेश से नए उद्योग आरंभ किए जाएंगे। सीहोर में जल्द ही एक लाख मैट्रिक टन सब्जियों की खरीद की व्यवस्था शुरू होगी, इससे जिले के दो लाख परिवारों को लाभ मिलेगा। सीहोर में पावर ट्रांसफार्मर की इकाई लगने से भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सीहोर को ५पार्वती काली सिंध चंबल परियोजना का लाभ भी मिलेगा। आगामी वर्षों में सीहोर, भोपाल मेट्रोपॉलिटन सिटी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सीहोर जिले के बडियाखेड़ी में नई औद्योगिक इकाइयों के भूमि-पूजन और आशय-पत्र वितरण कार्यक्रम में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे।

यूका के कचरे में नहीं पाये गए कैंसर कारक पेस्टीसाइड

भोपाल। पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के परिसंकटमय अवशिष्ट के भस्मक जलाने के बाद राख में किसी भी प्रकार के पेस्टीसाइड एवं इनसेक्टीसाइड मौजूद नहीं पाये गये, जो कि कैंसर के मुख्य कारण होते हैं। इसमें हेवी मैटल्स की मात्रा भी बहुत सीमित पायी गयी। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जनसम्पर्क अधिकारी मनोज कुमार मंडरई ने यह जानकारी दी है। मंडरई ने बताया कि पीथमपुर प्लांट में जलाये गये वेस्ट के बाद उत्पन्न हुई राख में किसी भी रसायन का रिसाव भूमिगत जल की गुणवत्ता प्रभावित नहीं कर सकेगा। साथ ही भूमिगत जल प्रभावित होने की संभावना भी नहीं होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में इससे कोई खतरा नहीं है और इसकी 30 वर्षों तक मॉनीटरिंग भी की जायेगी।

वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने चलेगा अभियान

भोपाल। प्रदेश के पंजीकृत वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अनिवार्य रूप से लगाए जाने के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को इस आशय के आदेश दिये है। प्रदेश में एक अप्रैल 2019 के बाद पंजीकृत वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है। केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राज्यमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना 4 दिसम्बर 2018 के अनुसार एक अप्रैल 2019 के बाद सभी पंजीकृत वाहनों में एचएसआरपी प्लेट लगाई जाना अनिवार्य है। वाहन पोर्टल में डाटा अपडेट करने के काम में तेजी लाई जा रही है। परिवहन विभाग ने परिवहन आयुक्त को इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है।

तीन माह में हो नम्बर प्लेट बदलने का कार्य

परिवहन विभाग ने एचएसआरपी प्लेट बदलने का कार्य आगामी 3 माह में पूर्ण करने के निर्देश जिला परिवहन अधिकारियों को दिए है। निर्देश में कहा गया है कि अपने जिले के समस्त डीलरों से निरंतर सम्पर्क में रहते हुए वाहनों में एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगाई जाए। जिन वाहनों में एचएसआरपी नहीं है उन्हें पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सेंटर द्वारा प्रमाण पत्र, डुप्लीकेट पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी करने, पंजीकरण प्रमाण पत्र में पता बदलना, शुल्क देकर आरसी विवरण देखना संभव नहीं हो सकेगा।

कई संदिग्ध भुगतान, बिना अनुमति मनमाना बजट खर्च

पंचायतों ने दरकिनार किए नियम 250 करोड़ की गड़बड़ी उजागर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश की पंचायतों में वित्तीय अनियमितताओं का बड़ा मामला सामने आने से हलचल है। वित्त विभाग द्वारा कराई गई स्थानीय निधि लेखा परीक्षा में राज्य की 11 जिला पंचायतों, 48 जनपद पंचायतों और 4,690 ग्राम पंचायतों में करीब 250 करोड़ रुपये की गड़बड़ी उजागर हुई है। जिन जिला पंचायतों के खातों की जांच की गई उनमें विदिशा, खरगोन, बड़वानी, सिवनी, उज्जैन, सीधी, सागर, दमोह, टीकमगढ़, ग्वालियर और मुरैना शामिल हैं। कई जनपद और ग्राम पंचायतों के खातों की भी जांच की गई।

ऑडिट रिपोर्ट में खुली अनियमितता की पोल

दरअसल, ऑडिट रिपोर्ट में 125 करोड़ का अनियमित भुगतान, 70 करोड़ से अधिक का अनुचित खर्च, 34 करोड़ बिना किसी बिल के भुगतान, 16 करोड़ की संदिग्ध लेन-देन, 10 करोड़ ऐसे कार्यों पर खर्च किया, जिनकी कोई पूर्व स्वीकृति नहीं ली गई। साथ ही ऑडिट रिपोर्ट में 12 लाख की गबन की पुष्टि भी हुई। साथ ही 16 लाख की राशि दोहरी भुगतान की गई। लेखा परीक्षण में यह भी सामने आया कि ज्यादातर जिला और जनपद पंचायतों ने बजट की स्वीकृति बिना सक्षम अधिकारियों से प्राप्त किए ही खर्च कर दिया। सिर्फ विदिशा, सागर और दमोह जिला पंचायत और छिंदवाड़ा, साईखेड़ा व खनियाधाना जनपद पंचायत ही ऐसी रहीं जिन्होंने विधिवत अनुमति ली थी। इसके अलावा पंचायतों के बैंक खातों में जमा राशि कैशबुक से मेल नहीं खा रही थी, जिससे साफ होता है कि वित्तीय लेखा-जोखा में गंभीर गड़बड़ी की गई है। पंचायतों को कर, तालाबों की लीज, दुकानों का किराया, मछली पालन और मेलों से आय होती है, लेकिन ज्यादातर पंचायतों ने बकाया राशि की वसूली तक नहीं की। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि कई पंचायतों ने बिना किसी कोटेशन या निविदा प्रक्रिया के करोड़ों रुपये के सामान खरीदे और भुगतान कर दिए, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है।

ग्वालियर, सागर व भोपाल संभाग के आठ जिलों में नुकसान

आदेशों के इंतजार में अटक गया बाढ़ से नुकसान का सर्वे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बारिश व बाढ़ से ग्वालियर, भोपाल व सागर के जिन 8 जिलों में भारी नुकसान हुआ था उनमें से ज्यादातर जिलों में अभी सर्वे शुरू नहीं हुआ है। प्रभावित नुकसान की भरपाई की मांग कर रहे हैं लेकिन मैदानी अफसरों का कहना है कि जब तक आदेश नहीं आता, तब तक सर्वे शुरू नहीं कर सकते।

उल्लेखनीय है कि भोपाल संभाग के विदिशा व रायसेन, ग्वालियर संभाग के गुना, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर संभाग के सागर, दमोह, छतरपुर में गत दिनों बाढ़ की स्थिति बनी। कई लोग बाढ़ से घिर गए। ऐसे 2900 से अधिक लोगों को बुधवार सुबह तक सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया था। सीएम ने संभागायुक्त, कलेक्टर, एसपी समेत तमाम वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा की थी। तब कहा गया था कि जिला न छोड़ने व शतत निगरानी रखे। साथ ही बारिश व बाढ़ का पानी कम होते ही नुकसान की भरपाई के लिए सर्वे के निर्देश भी दिए थे। इन जिलों के कई गांवों में लोगों के घरों में बारिश व बाढ़ का पानी घुसने से राशन बेकार हुआ था। गृहस्थी का अन्य सामान भी खराब हुआ। कई गांवों में मुर्गियों व बकरियों के बहने की सूचना थी, मवेशियों को भी नुकसान पहुंचा था।

इधर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री एवं गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गत दिनों गुना के ग्राम फतेहगढ़ में अतिवर्षा एवं बाढ़ से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि प्रशासन द्वारा हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री सिंधिया स्वयं स्थिति की सतत निगरानी कर रहे हैं। लोगों के आवास, फसल, घरेलू सामग्री और अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, उसका सर्वे कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। सर्वे उपरांत प्रत्येक प्रभावित परिवार को 50-50 किलो गेहूं उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही खराब हुई सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराई जाएगी।

देशभक्ति की अलख जगाने तीन चरण वाला अभियान शुरू

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता - स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग÷ अभियान शुरू हो गया है। अभियान तीन चरणों में 15 अगस्त तक चलेगा। इसका उद्देश्य देशभक्ति, स्वच्छता और नागरिक एकता को एक साथ जोड़ना है। यह अभियान जल शक्ति मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और पेयजल विभाग के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसमें जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों में जल संरक्षण, सामुदायिक सफाई, स्वच्छता शपथ और अमृत सरोवरों पर ध्वजारोहण जैसे कार्यक्रम होंगे। पंचायतें, स्वयं सहायता समूह, स्कूलों के छात्र, ग्राम जल समितियां और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता शामिल होंगे। अभियान को सफल बनाने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी संभागायुक्तों, कलेक्टरों और संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए हैं। इस अभियान के प्रथम चरण में अब 8 अगस्त तक देशभक्ति के वातावरण का जागरण तथा तिरंगे पर केन्द्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, चर्चाएं आयोजित की जाएंगी। तिरंगे को केंद्र में रखकर रचनात्मक गतिविधियां कराई जाएंगी। इनमें तिरंगा रंगोली, तिरंगा राखी, सजावट, प्रश्नोत्तरी, प्रदर्शनी, तिरंगा कला, सैनिकों को पत्र लेखन आदि शामिल हैं। दूसरा चरण 9 से 12 अगस्त तक चलेगा। इसमें तिरंगा यात्राएं, बाइक और साइकिल रैलियां, तिरंगा मेलों का आयोजन, झंडे की बिक्री और तिरंगा गीत जैसे स्कार्यक्रम होंगे।

'12वीं फेल' को पुरस्कार पर सीएम ने दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि सफलता शार्टकट से नहीं मिलती। सफलता पाने के लिए मेहनत और संघर्ष करके तपना पड़ता है। तभी इंसान का असली व्यक्तित्व सामने आता है। मुख्यमंत्री ने मुरैना जिले के निवासी आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के संघर्ष से सफलता हासिल करने के कथानक पर आधारित फिल्म 12वीं फेल को 71वें नेशनल फिल्म अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म पुरस्कार का सम्मान मिलने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि यह हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। असफलता को मात देकर, कठोर परिश्रम से आईपीएस अधिकारी बनने तक मनोज कुमार शर्मा का सफर युवाओं को लगन, परिश्रम व प्रयास से सफलता पाने के लिए प्रेरित करेगा।

मेट्रो एंकर 25 हजार से कम शुल्क लेने वाले स्कूलों की ओर से दिया जाना है शपथ

निजी स्कूलों की फीस का ब्यौरा देने में लेटलतीफी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से कई बार आदेश जारी होने के बाद भी प्रदेश में निजीस्कूलों की मनमानी जारी है। स्थिति यह है कि बड़ी संख्या में निजीस्कूलों की ओर से अब तक पोर्टल पर फीस का ब्यौरा नहीं दिया है। इसके अलावा 25 हजार से कम शुल्क लेने वाले स्कूलों की ओर से भी शपथ पत्र दिए जाने को लेकर लेटलतीफी की जा रही है। जबकि स्कूलों के लिए शपथ पत्र देने के लिए सिर्फ 6 दिन का समय बचा है।इसके लिए 8 अगस्त अंतिम तिथि निर्धारित की गई है, लेकिन 6 दिनों के भी अब सभी स्कूलों का शपथ आने की उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

पहले भी कई बार आदेश हुए जारी-

पालक महासंघ के महासचिव प्रबोध पंडया के अनुसार, निजीस्कूलों की फीस को लेकर शासन की ओर से कई बार आदेश जारी किए गए हैं, लेकिन इनका पालन नहीं हो सकता है। स्थिति यह है कि निजीस्कूलों की फीस का ब्यौरा पोर्टल पर दिया जाना था। अब तक प्रदेश में मात्र 10 हजार 205 स्कूलों की ओर से पोर्टल पर जानकारी दी गई है। जबकि प्रदेश में 34 हजार से अधिक स्कूल हैं। 25 हजार रूपए से अधिक फीस वाले निजीस्कूलों के लिए 15 मई से अब पोर्टल भी बंद है।वहीं 25 हजार से कम फीस वाले स्कूलों के ओर से शपथ पत्र दिया जाना है।शासन को चाहिए कि अपने का आदेशों का कड़ाई से पालन कराए। पालक संघ जल्द ही इस मामले को लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री और विभागीय अधिकारियों से मिलेगा।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 03 अगस्त 2025 epaper.dopaharmetro.com

मित्रता दिवस - 3 अगस्त 2025

मित्रता: रिश्तों की आत्मा और संवेदना की जीवंत सरिता

मित्रता वह रिश्ता है, जो न रक्त से बंधा होता है, न किसी सामाजिक अनुबंध से, फिर भी यह जीवन का सबसे आत्मीय और मजबूत संबंध होता है। दोस्ती वह भूमि है जहां प्रेम, विश्वास, अपनत्व, समर्पण और संवेदना एक साथ अंकुरित होते हैं। इसी दुर्लभ और विशुद्ध भाव को सम्मान देने के लिए हर वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को 'अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस' मनाया जाता है। मित्रता दिवस का यह दिन केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि वह अवसर है जो रिश्तों की आत्मा को पुनः जागृत करने, टूटते संबंधों को जोड़ने और नफरत की दीवारों के बीच मैत्री के पुल बनाने का निमित्त बनता है। यह दिन एक सार्थक प्रयास है, अपने जीवन की भागदौड़ में उस रिश्ते को याद करने का, जिसने हर मोड़ पर हमें संबल दिया, हौसला दिया और मुस्कुराने की वजह दी।

■ ललित गर्ग

दुनिया के अधिकांश रिश्ते सामाजिक, पारिवारिक या व्यावसायिक जरूरतों से बने होते हैं, लेकिन मित्रता केवल मानवीयता, करुणा और स्नेह की भावना से जन्म लेती है। इसमें न कोई स्वार्थ होता है, न औपचारिकता, न ही प्रदर्शन। यही कारण है कि श्रीकृष्ण-सुदामा, श्रीराम-विभीषण, गांधी-नेहरू जैसे रिश्ते युगों तक मिसाल बनते हैं। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा है- 'लोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वे मित्रता के पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं।÷ आज यही सबसे बड़ा संकट है-मनुष्यता की गिरती दीवारें, रिश्तों की सूखती ज़मीन, और आत्मीयता की मरती हुई पुकार। एक बड़ा सवाल है कि क्यों सूख रही है रिश्तों की मिट्टी? आज हम तकनीकी रूप से जितने जुड़ चुके हैं, भावनात्मक रूप से उतने ही दूर हो गए हैं। मोबाइल, सोशल मीडिया, आभासी दुनिया ने संवाद को बढ़ाया है पर संपर्क को नहीं, क्योंकि आत्मा से जुड़ाव संवाद से नहीं, संवेदना से होता है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक

मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है, एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है।

दुनिया बदल गई, तौर-तरीके बदल गए, पर दोस्ती की आत्मा आज भी वैसी ही है, शुद्ध, निस्वार्थ और जीवनदायिनी। श्रीकृष्ण और सुदामा की पवित्र मित्रता आज भी यह सिखाती है कि सच्चे दोस्त का मूल्य धन से नहीं, हृदय की आत्मीयता से आंका जाता है। श्रीराम और विभीषण की दोस्ती यह प्रमाण है कि विचारों की भिन्नता के बावजूद दिलों का मेल मित्रता को अमर बना देता है। आज जब रिश्ते स्वार्थों की चौखट पर सिर झुका रहे हैं, तब भी दोस्ती वह रिश्ता है जो बिना किसी अपेक्षा के जीवन को अर्थ देता है। आज की क्षणिक, स्वार्थ पर टिकी दोस्तियां जब टूटती हैं तो व्यक्ति भीतर से बिखर जाता है। तभी किसी विचारक ने कहा था-पहले प्रार्थना करते थे- हे प्रभु! दुश्मनों से बचाना, अब कहना पड़ता है, हे ईश्वर! दोस्तों से बचाना।' क्योंकि अब दोस्ती भी छल-कपट का आवरण ओढ़ चुकी है। जबकि आधुनिक समय में सच्चे मित्र सचमुच जीवन की बांसुरी में बसी आत्माओं के समान अनमोल है। मित्र वही जो जीवन के हर रंग में साथ दे, अंधेरे में दीपक की तरह और उजाले में छांव की तरह। ऐसे मित्र दुर्लभ होते हैं, लेकिन यदि जीवन में एक भी सच्चा मित्र हो तो वह संपत्ति, शक्ति और सुखों से बढ़कर होता है।

आचार्य तुलसी ने मित्रता के लिए जो सात सूत्र दिए, वे आज पहले से अधिक प्रासंगिक हैं- विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय और समन्वय। ये सात सूत्र दोस्ती को सतही नहीं बल्कि आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करते हैं। ये न केवल मित्रता को टिकाऊ बनाते हैं, बल्कि जीवन को भी सकारात्मक दिशा में मोड़ते हैं। दोस्ती के पांच मूलमंत्र हैं-एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को बिना शर्त स्वीकार करें। भावनाओं का सम्मान करें और समय दें। रिश्ता हल्का, सहज और मुस्कराहटों से भरपूर हो। पारदर्शिता, ईमानदारी और भरोसे को केंद्र में रखें। दोस्ती को निभाना सीखें, सिर्फ जताना नहीं। इन सूत्रों को अपनाकर हम मित्रता को सिर्फ एक दिवस की औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्तता बना सकते हैं। इसीलिये यदि आज भी कोई रिश्ता है जो समय, दूरी और मतभेद की सीमाएं लांघ सकता है, तो वह सिर्फ दोस्ती है-नवीन युग की पुरातन धरोहर।

विचार-भेद तो स्वस्थ समाज की निशानी हैं, लेकिन मन-भेद समाज को भीतर से खोखला कर देते हैं। क्रांति विचार-भेद से आती है, जबकि विद्रोह मन-भेद से। इसलिए मित्रता केवल भावनाओं की साझा ज़मीन नहीं, सामाजिक क्रांति की प्रयोगशाला भी बन सकती है। इसीलिये चलो एक बार फिर दोस्त बनें अभियान का सूत्रपात करते हुए जीवन को मुस्कान से भरे। इसके लिये मित्रता दिवस केवल एक संदेश नहीं देता, बल्कि एक पुकार है, जीवन को फिर से रंगीन, मधुर और अर्थपूर्ण बनाने की। दोस्ती का यह दिवस आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बाहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर दोस्ती की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। दोस्ती की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। दोस्ती को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। हेलेन केलर ने ठीक ही कहा था-÷मैं उजाले में अकेले चलने के बजाय अंधेरे में एक सच्चे दोस्त के साथ चलना पसंद करूंगी।÷ इसलिए आइए, इस दिन एक संकल्प लें-कि हम दोस्ती को केवल सोशल मीडिया की पोस्ट नहीं, बल्कि दिल की सच्ची अनुभूति बनाएंगे। हम मित्रता को उपहारों से नहीं, समर्पण, सहयोग और संवेदना से सजायेंगे। क्योंकि दोस्ती ही वह जादुई संवेदना है जो जीवन को भीतर से रोशन करती है, और हमारे अस्तित्व को एक नई परिभाषा देती है। पुरातन काल में जहाँ मित्र धर्म निभाना जीवन-मूल्य था, आज वह धर्म हमारी संवेदनाओं की अंतिम आशा बन गया है। मित्रता अब एक दिन का उत्सव नहीं, जीवन की जरूरत है, जहाँ न कोई दायित्व होता है, न कोई बंधन, सिर्फ अपनापन होता है। चाहे युग बदले या तकनीक, दिलों की दूरी को मिटा सकने की शक्ति केवल सच्ची दोस्ती ही रखती है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आपकी थकान किसी अनसुने सपने की पुकार तो नहीं

■ सुंदरचंद ठाकुर

कुछ थकानें शरीर की होती हैं जिन्हें नींद से मिटाया जा सकता है। पर कुछ थकानें आत्मा की होती हैं जिन्हें सिर्फ़ आत्मस्वीकृति ही हल्का कर सकती है। हमारी ज़िंदगी में जो सबसे गहरी थकावट होती है, वह भागदौड़ की नहीं होती। वह उस अधूरेपन की होती है, जिसे हम हर रोज़ महसूस करते हैं लेकिन बोल नहीं पाते। ये अधूरापन उस किताब की तरह है जो कभी लिखी नहीं गई, उस गीत की तरह जो कभी गाया नहीं गया, उस यात्रा की तरह जो कभी शुरू ही नहीं हुई। हर इंसान के भीतर कुछ ऐसी इच्छाएं होती हैं जो कभी खुलकर जुबान पर नहीं आ पातीं। कभी ज़िम्मेदारियों के नीचे दब जाती हैं, कभी डर के साए में छुप जाती हैं। और धीरे-धीरे ये अधूरी इच्छाएं, मन में एक कोना घेर लेती हैं, जहां हम मुस्कराते हुए भी उदास रहते हैं।

हमारी समस्या यह नहीं कि हमें कुछ नहीं मिला। समस्या यह है कि हम नहीं जानते कि जो चाहिए था, वो कभी मांगा भी या नहीं। हम सिर्फ़ उस राह पर चलते गए जो सबसे आसान लगी, सबसे स्वीकार्य लगी या जहां सबसे ज़्यादा तालियां मिलती थीं। पर भीतर की सच्ची इच्छा क्या थी उससे हमने मुंह मोड़ लिया। और यही आत्मा की थकान की जड़ है - एक अधूरे जीवन का बोझ, जिसे हम पूरे जीवन ढोते हैं। सोचिए, कितनी बार आपने अपनी किसी गहरी चाह को केवल इस डर से दबा दिया कि लोग क्या कहेंगे? या इसलिए कि वो रास्ता आर्थिक रूप से सुरक्षित नहीं था? या इसलिए कि कोई और उस इच्छा को 'बड़ा सपना' नहीं मानता था?

हम अक्सर दूसरों की परिभाषाओं के अनुसार अपने सपनों का आकार तय करते हैं। पर सच्ची बात यह है कि कोई भी सपना छोटा नहीं होता अगर वह आपके दिल से निकला हो। और कोई भी मंज़िल सस्ती नहीं होती अगर वह आत्मा को सुकून देती हो। दुनिया में सबसे ज़्यादा थकान उस इंसान को

होती है जिसने अपनी आवाज़ को कभी सुना ही नहीं। जो हर वक्त दूसरों की अपेक्षाओं के हिसाब से जीता रहा, जो हर दिन कुछ न कुछ छोड़ता रहा अपने भीतर का और एक दिन खुद ही अपने भीतर खो गया।

कुछ लोग इस थकान से उबरने के लिए नए शौक अपनाते हैं, यात्राएं करते हैं, ध्यान या मेडिटेशन का सहारा लेते हैं, पर जब तक भीतर की उस अधूरी इच्छा को पहचानकर स्वीकार नहीं करते, तब तक कोई उपाय स्थायी राहत नहीं देता। इसलिए सबसे पहली ज़रूरत है अपनी उस इच्छा को दोबारा देखने की, जिसे आपने कभी डर, शर्म या जिम्मेदारी के नाम पर दबा दिया था। चाहे वो कोई कला हो, कोई भाषा हो, कोई रिश्ता हो, कोई मिशन हो। कोई फर्क नहीं पड़ता आपने उसे कितने सालों से दबा रखा है। अगर वह सच्चा है, तो वह आज भी आपके भीतर सांस ले रहा है। उसे पहचानिए। उसे लिखिए। उसे स्वीकार कीजिए - बिना शर्म, बिना अपराधबोध। और अगर अभी भी उसे जीना संभव है, तो किसी छोटे से क़दम से शुरू कीजिए। क्योंकि अधूरी इच्छाएं तभी तक थकाती हैं जब तक हम उन्हें टालते हैं। जैसे ही आप उनके पास लौटते हैं, वे बोझ नहीं रहतीं। वे ऊर्जा बन जाती हैं। याद रखिए - जीवन का असली भार वह नहीं जो बाहर है, बल्कि वह है जो भीतर से टाला गया है। इसलिए अगर आप हर वक्त थका हुआ महसूस करते हैं, तो एक बार पूछिए खुद से - क्या मेरी कोई इच्छा अधूरी रह गई है? क्योंकि संभव है कि आपकी थकान किसी नींद की नहीं बल्कि एक अनसुने सपने की पुकार हो।

(साभार)

देवदास से सैयारा तक दर्शकों पर प्रेम का जादू

■ हेमंत पाल

प्यार एक जज़्बात है। किशोर से लेकर अधेड़ व्यक्ति तक को सच्चे प्यार की तलाश होती है। स्वरूप चाहे अलग हो, मगर सच्चा प्यार सबकी चाहत होती है। सिर्फ फिल्म के परदे पर ही नहीं, आम लोगों की जिंदगी में भी प्रेम कहानियां होती है। लेकिन, जब दर्शक उन्हें परदे पर देखता है, तो उसे वो 'लार्जर देन लाइफ' नजर आती हैं। असल में दर्शक फिल्मों के जरिए अपने प्यार के सपनों को पूरा करने की कल्पना करता है। यही वजह है कि फिल्मों में प्रेम कहानियों पर बनी फिल्में ज्यादा पसंद की जाती हैं और बॉक्स ऑफिस पर ऐसी फ़िल्में कमाई का रिकॉर्ड बनाती हैं। दरअसल, सिनेमा में प्रेम कथाओं का इतिहास समृद्ध और विविधता से भरा रहा है। शुरुआती दौर से आज तक प्रेम, रोमांस और कोमल भावनाओं को प्रमुख विषय के रूप में फिल्माया जाता रहा है, जो दर्शकों की भावनाओं के साथ गहराई से जुड़ता है। फिल्म इतिहास में 1930 से 1950 के दशक में प्रेम कहानियों को सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों के संदर्भ में दर्शाया गया था। उस दौर में 'देवदास' जैसी फिल्में बनी जिसने प्रेम, त्याग और सामाजिक बंधनों जैसे मसलों को उजागर किया। तब प्रेम को आदर्शवादी और भावनात्मक रूप से चित्रित किया जाता था।

इसके बाद फ़िल्में आजादी की कहानियों में उलझ गई। वहीं 1960-70 का दशक फिर प्रेम कहानियों से गुलजार रहा। इस दौरान प्रेम कहानियों में अधिक यथार्थवादी और समकालीन विषयों को शामिल किया गया। 'प्रेम कहानी' और 'लव स्टोरी' जैसी फिल्मों ने प्रेम और व्यक्तिगत संघर्षों के जटिल पहलुओं को दर्शाया। मनोरंजन के साथ इन फिल्मों ने प्रेम, दोस्ती और पारिवारिक रिश्तों के बदलते स्वरूपों पर भी प्रकाश डाला। वहीं 1980-90 के दशक की प्रेम कहानियों में संगीत, नृत्य और भावनात्मक दृश्यों का अधिक उपयोग किया गया। 'मैंने प्यार किया' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी फिल्मों ने युवा दर्शकों को आकर्षित किया और प्रेम को सुखद और आशावादी दृष्टिकोण से चित्रित किया। इन फिल्मों ने प्रेम, दोस्ती, और परिवार के महत्व पर जोर दिया। लेकिन, 2000 के बाद की लव स्टोरी में सामाजिक मुद्दे, अंतर-सांस्कृतिक प्रेम और प्रेम के विभिन्न रूप शामिल किए गए। 'गदर' और 'तेरे नाम' जैसी फिल्मों ने प्रेम, देशभक्ति और सामाजिक संघर्षों के बीच के जटिल संबंधों को उजागर किया। सच्ची घटनाओं पर बनी 'छपाक' जैसी फ़िल्में भी पसंद की गई।

अनोखा नहीं, पर सैयारा में भावनात्मक मस्का

'सैयारा' की सफलता की एक बड़ी वजह यह भी मानी जा सकती है कि दर्शक ओटीटी की उन फिल्मों और वेब सीरीज से ऊब चुके हैं, जिनमें हिंसा और खून खराबा ज्यादा हो। रणवीर कपूर की 'एनिमल' जैसी फिल्में भी कम नहीं। ऐसे माहौल में

दर्शकों को कुछ अलग से मनोरंजन की जरूरत थी, जिसे 'सैयारा' ने काफी हद तक पूरा किया। देखा जाए तो फिल्म के कथानक में कोई नयापन नहीं है, जो दर्शकों को बांधकर रखे। ये फिल्म दक्षिण कोरिया की 2004 में आई फिल्म 'ए मोमेंट टू रिमेंबर' का अनऑफिशियल अडॉप्टेशन है। इसी कहानी पर 2008 में अजय देवगन की फिल्म 'मैं, तुम और हम' आ चुकी है। इसमें काजोल का किरदार अल्जाइमर से पीड़ित होता है। इस फिल्म से प्रभावित 'सैयारा' की कहानी लिखते समय ध्यान रखा गया कि खून खराबा से ऊबे दर्शकों को कैसे भावनात्मक तरीके से रुलाया जाए। नायक और नायिका में तालमेल भी मुश्किल से बनता है, पर जब दोनों एक-दूसरे की पीड़ा को समझते हैं, तो जुड़ जाते हैं। शराबी बाप का परेशान बेटा और अल्जाइमर की मरीज लड़की में नजदीकी बढ़ जाती है और इमोशनल दर्शक फिल्म को हिट करा देते हैं।

'सैयारा' ने बदला दर्शकों का मूड

आज के दौर में प्रेम कथा की नई परिभाषा रची है फिल्म 'सैयारा' ने। बिना प्रचार के आई नए कलाकारों की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई का कीर्तिमान रचा। हालांकि कहानी में कोई नयापन नहीं। 'सैयारा' की नई जोड़ी अहान पांडे और अनीता पड्डा में दर्शकों को नयेपन का अहसास हुआ। इसी ताजगी ने 'सैयारा' को सफलता दिलाई। हिंदी सिनेमा की करीब सवा सौ साल की यात्रा में दर्शकों को हमेशा से युवा सितारों की चाहत रही, जो बड़े परदे के जरिए उनके दिलों को धड़काए रखें। हालांकि, सिनेमा के शुरुआती दौर में हीरो कहीं से युवा दिखाई नहीं देते थे। फिर भी उन दिनों की परिस्थितियों के चलते दर्शक उनके आकर्षण में बंधे रहे।

लव स्टोरी के जरिए नए चेहरों का आगाज

सिनेमा में प्रेम कहानियां वाली फिल्मों में नए चेहरों को सामने लाने की एक परंपरा सी रही है। इतिहास गवाह है कि फिल्मों में नई उम्र की नई फसल लगाने के लिए प्यार की खेती सबसे ज्यादा उपजाऊ रहती है। फिर चाहे वह बॉबी (ऋषि कपूर-डिंपल कपाड़िया), टिंवकल खन्ना-बॉबी देओल (बरसात), कुमार गौरव-विजयता पंडित (लव स्टोरी), संजय दत्त-टीना मुनीम (रॉकी),सनी देयोल-अमृता सिंह (बेताब), कमल हासन-रति अग्निहोत्री (एक दूजे के लिए), आमिर खान (कयामत से कयामत तक) हो या सलमान खान-भाग्यश्री (मैंने प्यार किया) हो। ये सभी पहली बार परदे पर आए थे। अजय देवगन-मधुश्री (फूल और कांटे), रितिक रोशन-अमीषा पटेल (कहो ना प्यार है), राहुल रॉय-अनु अग्रवाल (आशिकी), शाहिद कपूर-अमृता राव (इश्क-विश्क), दीपिका पादुकोण-शाहरुख़ खान (ओम शांति ओम), इमरान खान (जाने तू या जाने ना), रणबीर सिंह-अनुष्का सिंह (बैंड बाजा बारात), आलिया भट्ट-सिद्धार्थ-वरुण (स्टूडेंट ऑफ द ईयर) आदि भी नए चेहरे थे।

ये हैं परदे की अमर प्रेम कहानियां

प्रेम कहानियों के मामले में फिल्म जगत हमेशा से अमर रहा है। 'मुगल-ए-आजम' और 'देवदास' से लगाकर 'सैयारा' तक हर बार प्यार के रूहानी जज्बात को दर्शकों ने पसंद कर अपने दिलों में बसाया। हिंदी फिल्मों की अमर प्रेम कहानियों की फेहरिस्त बहुत लंबी और समृद्ध है। मुगल-ए-आजम, आवारा, कागज के फूल, प्यासा, साहिब बीवी और गुलाम, पाकीजा, कश्मीर की कली, आराधना, सिलसिला, दिल है कि मानता नहीं, साजन, दिल, उमराव जान, 1942 ए लव स्टोरी,दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है, कल हो न हो, जब वी मेट जैसी फिल्मों के बाद फिल्मों में यंग जनरेशन के प्यार को परिभाषित करने के लिए प्रेम कथाएं रची गई। जिसमें हीरो, रहना है तेरे दिल में, बचना ऐ हसीनों, सलाम नमस्ते, लव आजकल, ये जवानी है दीवानी, वेक अप सिड, अजब प्रेम की गजब कहानी, रॉकस्टार, बर्फी, टू स्टेट्स, आशिकी टू,कॉकटेल, शुद्ध देसी रोमांस, तनु वेड्स मनु, मसान, तमाशा, ऐ दिल है मुश्किल, बरेली की बर्फी जैसी कई फिल्में रही जिनकी गिनती तो ख़त्म होने से रही।

(साभार)

सरकार और रेलवे ने की तैयारी, सीएम मोहन यादव ने रेल मंत्री से की चर्चा

सिंहस्थ 2028 - देश के चारों कोनों से चलेंगी दो हजार ट्रेन, भीड़ प्रबंधन और साफ पानी होगा बड़ी चुनौती

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ के दौरान पर्याप्त ट्रेन देश के चारों कोनों से यात्रियों को उपलब्ध कराने के लिए रेलवे ने तैयारी कर ली है। 2016 में रेलवे ने 1200 अतिरिक्त ट्रेन चलाई थीं , इस बार यह संख्या 2000 होगी। उज्जैन सिंहस्थ के दौरान प्रयागराज जैसी स्थिति न बने, इसके लिए भी आसपास के छह स्टेशनों को अगले 3 साल में विकसित करने की योजना पर रेलवे ने चुनौती के रूप में लेते हुए काम शुरू कर दिया है। रेलवे इसके लिए कितना गंभीर है, इसको इसी से समझा जा सकता है कि पहली बार रेलवे ने तीन साल पहले से इसकी तैयारी शुरू करते हुए मेला अधिकारी को नियुक्त कर दिया। हालांकि शहर में कई काम ऐसे हैं जिन पर अभी काम शुरू नहीं हुआ है और वे प्रशासन के लिए चुनौती साबित हो सकते हैं।

मेला अधिकारी ने आते ही सेटेलाइट स्टेशन का किया दौरा

रेलवे के मेला अधिकारी पूंजीलाल मीणा ने आते ही सेटेलाइट स्टेशन का दौरा शुक्रवार को किया व कई तरह के सुधार को समय-सीमा में करने को कहा। रेलवे नईखेड़ी, मोहनपुरा, चिंतामण गणेश, विक्रम नगर, पवासा, पिंगलेश्वर रेलवे स्टेशन अपग्रेड सिंहस्थ योजना में करेगा। रेलवे के अनुसार अगले सिंहस्थ के पूर्व रतलाम मंडल के अंतर्गत जिस तेजी से रेलवे के निर्माण कार्य हो रहे हैं, उनसे पश्चिम मध्य प्रदेश के रेलवे नेटवर्क की तस्वीर और तकदीर बदल जाएगी।रेलवे के अनुसार उज्जैन सिंहस्थ में मेले के अवसर पर करीब एक करोड़ यात्री देशभर से उज्जैन आएंगे। इनके लिए देश के चारों कोनों से रेलवे करीब दो हजार ट्रेन चलाएगा। पिछली बार उज्जैन सिंहस्थ के दौरान 20 लाख यत्रियों ने 1200 ट्रेनों में सफर किया था, जबकि अन्य साधनों से कुल 5 करोड़ यात्री आए थे। हालांकि इस बार 5 गुना ज्यादा यात्री आने का अनुमान रेलवे को है। इन यात्रियों के लिए सेटेलाइट स्टेशन भी विकसित रेलवे कर रही है।

अंडरपास के पास दूसरे का निर्माण

जिन जगहों पर वर्तमान में अंडरपास के निर्माण का काम चल रहा है। उसके पास एक और अंडरपास का निर्माण किए जाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पंवासा फ्लैग स्टेशन को हाईवे से जोड़ने हेतु स्टेशन तक सर्विस रोड का निर्माण किये जाने का निर्देश दिया। नईखेड़ी स्टेशन पर प्लेटफार्म का विस्तार किये जाने के निर्देश दिए। साथ ही मोहनपुरा रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे आरओबी के दोनों ओर सर्विस रोड को लेकर भी चर्चा हुई।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती

सिंहस्थ कराने में सरकार के सामने जो सबसे बड़ी चुनौती रहेगी, वो भीड़ प्रबंधन और स्वच्छ जल में श्रद्धालुओं को स्नान कराना। भीड़ प्रबंधन तभी संभव है, जब शहर की आंतरिक सड़कें चौड़ी, पुलों का दोहरीकरण और शिप्रा नदी पर घाट की लंबाई बढाई जाए। लेकिन, इन तीनों कामों को करने में प्रशासन पहले ही काफी पिछड़ गया है। ट्रैफिक नियंत्रण के लिए बनी रोप-वे, फ्लीगंज समानांतर रेलवे ओवर ब्रिज जैसी अनेक विभागीय योजना सक्षम स्वीकृति के बाद भी अभी आधी अधूरी हैं।

जीनियस प्लानेट में आयोजित फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता

इटारसी। जीनियस प्लानेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा छठवी से कक्षा 12 वी तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल ने फायर लेस कुकिंग कम्पटीशन का आयोजन किया। जिसमें स्कूली विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। यह प्रतियोगिता स्वाद के अनुसार दो केटेगरी स्वीट और नमकीन में आयोजित की गई । दोनों ही केटेगरी में कक्षा 6 वी से कक्षा 12 वी तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें ग्रुप ए में कक्षा 6 वी ओर 7 वी के स्टूडेंट्स और ग्रुप बी में कक्षा 8वी से 12वी तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। दोनों ही ग्रुप में नमकीन और स्वीट दो केटेगरी में कम्पटीशन रखा गया था। ग्रुप ए में स्वीट केटेगरी में सांत्वना पुरस्कार ख्याति झा, अनंत तिवारी और आराध्य ताम्बूलकर को मिला। तृतीय पुरस्कार स्तुति जैन, द्वितीय पुरुस्कार नैवेध्य प्रिथानी और प्रथम पुरस्कार मो अनस सिद्दीकी को मिला। नमकीन केटेगरी में ग्रुप ए में सांत्वना पुरस्कार इशिका मीना, रेहान अहमद और दक्ष मनवारे को मिला, तृतीय पुरुस्कार समर्थ सोनी, द्वितीय पुरुस्कार आराध्या यादव और प्रथम पुरुस्कार अस्तित्व मालोनीया ने हासिल किया। वहीं ग्रुप बी में स्वीट केटेगरी में सांत्वना पुरस्कार मोहिनी चौधरी, राशि ठाकुर और वंशिता पाण्डेय को मिला।

जंगली सूअर का किया शिकार एक आरोपी गिरफ्त में, दो फरार

इटारसी। वन परिक्षेत्र इटारसी अंतर्गत आने वाले नजरपुर गांव के जंगल में हुए जंगली सूअर के शिकार के मामले में वन विभाग की टीम ने शनिवार तड़के सर्च ऑपरेशन चला कर तीन शिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इस दौरान मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया जबकि दो फरार बताए जा रहे हैं। वन विभाग की टीम को नजरपुर गांव के पास जंगली सूअर के शिकार की सूचना मिली थी। बड़ी बीड गांव में शनिवार तड़के सर्च ऑपरेशन चलाकर एक घर से जंगली सूअर का मांस बरामद किया। मामले में टीम ने मौके से शिवचरण नामक एक युवक को जब हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने नजरपुर गांव में रहने वाले दो भाइयों मनोज ओर संजय के साथ मिलकर झाड़ियों में फंसे एक जंगली सूअर का शिकार किया था। मौके से शिवचरण को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ वन प्राणी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अव्यवस्थाओं को लेकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

अभ्यर्थियों ने कर्मचारी चयन आयोग एसएससी की परीक्षाओं में व्याप्त अव्यवस्थाओं और विद्यार्थियों को हो रही समस्याओं को लेकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि एसएससी परीक्षाओं में परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी समस्याएँ समय पर प्रवेश न मिलना, प्रशासनिक लापरवाही, और अभ्यर्थियों के साथ अमानवीय व्यवहार जैसी दिक्कतें सामने आई हैं, जिससे लाखों विद्यार्थियों का भविष्य संकट में है। अभ्यर्थियों ने माँग की है कि एसएससी परीक्षा प्रणाली की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए। दोषी परीक्षा एजेंसियों एवं अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाया जाए। सभी गड़बड़ियों के बाद पुनः निष्पक्ष रूप से परीक्षाएँ आयोजित की जाएं। विद्यार्थियों की ओर से यह अपील की गई कि राष्ट्रपति इस विषय को गंभीरता से संज्ञान में लें और देश के युवाओं के भविष्य की रक्षा हेतु ठोस कदम उठाए जाए।

डकैती की योजना बनाते छह बदमाश पकड़े

गुना। दोपहर मेट्रो

राघौगढ़ पुलिस ने जेपी यूनिवर्सिटी कैंपस से हुई चोरी के मामले में बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस ने इसी थाना क्षेत्र के एक गांव में डकैती की योजना को विफल करते हुए इन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में दूसरी चोरी के भी राज उगले हैं। बता दें कि राघौगढ़ थाना प्रभारी जुबेर खान और उनकी टीम ने बीती रात आनंदपुर मोईया गांव में डकैती डालने की योजना बनाते छह बदमाश गिरफ्तार कर डकैती जैसी संगीन बारदात करने के मंसूबों को नाकाम कर दिया । इसके साथ ही आरोपियों से जे.पी. यूनीवर्सिटी कैंपस में चोरियों का भी खुलासा हुआ है । दरअसल बीती मध्य रात्रि में राघौगढ़ थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आनंदपुर मोईया गांव के पास जंगल में रोड़ से थोड़ा अंदर झाडियों में 6-7 बदमाश डकैती जैसी बारदात करने की योजना बना रहे हैं । इस सूचना के मिलते ही राघौगढ़ थाने से पुलिस की एक टीम तत्काल आनंदपुर मोईया गांव के पास मुखबिर की

बताई जगह पर पहुंची।वहां देखा तो कुछ लोग आपस में बातें करते हुए दिखे । उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया। वहीं एक बदमाश भाग निकला । पकड़े गए बदमाशों ने पूछताछ पर अपने नाम जय सिंह उम्र 40 साल, राजू कंजर उम्र 25 साल, राकेश कंजर उम्र 30 साल, देशराज कंजर उम्र 50 साल, भूरा कंजर उम्र 25 साल एवं मुकेश उम्र 42 साल बताए। मोईया गांव में भैयालाल सैनी के यहां डकैती डालने के लिए एकत्रित होना बताया । 12 बोर देशी कट्टा व दो जिंदा राउण्ड, सरिया, तलवार, लुहांगी, कटर, रांपी आदि उनके पास से बरामद हुए ।

इसके बाद पुलिस नेअपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है । प्रकरण में फरार आरोपी रमन कंजर के पीछे पुलिस टीम लगी हुई है और जिसे भी शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा ।

महिला बाल विकास विभाग की कार्रवाई

काम में लापरवाही पर 10 पर्यवेक्षक एवं 140 आंगनबाड़ी कार्यकताओं को थमाए नोटिस

गुना। शहर में आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक और कार्यकर्ताओं को काम में लापरवाही बरतना महंगा पड़ गया है। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उनकी सेवा समाप्त तक की जा सकती है। बता दें कि भारत सरकार महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा आंगनबाडी केन्द्रों मे दर्ज हितग्राहियों का आधार फेस सत्यापन के निर्देश प्रदान किये गये थे। इसमें गुना जिले से 140 आंगनबाडी केन्दों पर अपेक्षित प्रगति नहीं मिली। विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन मे कमी मिली। जिससे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सेवा समाप्त किये जाने के लिए नोटिस जारी किए हैं। इसी प्रकार कार्य में अपेक्षित प्रगति प्राप्त न करने वाले 10 पर्यवेक्षकों के विरूद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के अंतर्गत 02 वेतन वृद्धि रोके जाने नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण चाहा गया है।

न्यायालय परिसर में लगाए 170 पौधे, सुरक्षा का लिया संकल्प

गंजबासौदा। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर से प्राप्त निर्देश के अनुपालन में पंचज अभियान के अंतर्गत पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत नवीन न्यायालय परिसर ग्राम रजोदा में पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायाधीश अनुराग द्विवेदी ने कहा कि प्रकृति की रक्षा एवं पर्यावरण के संरक्षण के लिए आज के समय में अधिक से अधिक पौधे लगाने की आवश्यकता है। हमने प्रकृति से जो लिया है उसे वापस लौटाने के लिए अपने जीवन में कम से कम 10 पौधे रोपित कर उनके पेड बनने तक उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। उनके द्वारा अधिक से अधिक पौधा रोपित किये जाने हेतु सभी को प्रेरित किया गया। उक्त आयोजित पौधा रोपण कार्यक्रम में सभी विभागों के समन्वय से कुल 170 औषधी, छायादार और फलदार पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम में अनुराग द्विवेदी प्रथम जिला न्यायाधीश बासौदा के न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति, हरप्रसाद वंशकार द्वितीय जिला न्यायाधीश, राकेश कुमार ठाकुर प्रथम जिला न्यायाधीश, विमलेश मुडैया द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड, रावेन्द्र कुमार सोनी तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं अधिवक्तागण, थाना प्रभारी शहर बासौदा सहित न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ऐसी मौज-मस्ती... जान पर पड़ सकती है भारी

अशोकनगर। अमाही तालाब पर बारिश के मौसम में लोग सुहाने मौसम का आनंद लेने पहुंचते हैं, लेकिन सुरक्षा के इंतजाम न होने से हादसे की आशंका बनी रहती है।

एमएससी में 90 प्रतिशत अंक हासिल कर नगर का मान बढ़ाया

नर्मदापुरम। गुजराती बाज खेडावाल ब्राह्मण समाज की जिला उपाध्यक्ष श्रीमती मोनिका दुबे की सुपुत्री कु संचारी दुबे ने एमएससी बायो टेक्नोलॉजी फाइनल की परीक्षा 90प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की है। संचारी दुबे पिता संदीप दुबे (एडवोकेट), माता मोनिका दुबे एवं परिवार को गुजराती बाज खेड़ावाल ब्राह्मण समाज नर्मदापुरम के सौरभ तिवारी, राजकुमार तिवारी, अशोक दुबे, प्रदीप दुबे, विशाल दुबे, हरिनारायण दुबे, हेमंत दुबे, नितिन तिवारी, हर्ष तिवारी, सरोज दुबे निर्मला दुबे ज्योति तिवारी, एकता दूबे, ओमप्रकाश तिवारी, नरेंद्र भट्ट, विनोद तिवारी, अनुराग दुबे, शालिनी तिवारी आदि ने शुभकामनायें दी है ।

नर्मदा ब्रिज के पास हुआ हादसा

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक-युवती की दर्दनाक मौत

नर्मदापुरम। नर्मदा ब्रिज के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में ट्रक की टककर से बाइक सवार युवक-युवती की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक-युवती की पहचान रूपेश शर्मा और दिव्या सोलंकी के रूप में हुई है जो दोनों नर्मदा पुरम के रहने वाले थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। ट्रक को जब्त कर लिया गया है. चालक फरार है. घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है। नर्मदा ब्रिज पर आए दिन हादसे होते रहते हैं, लेकिन सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए जाते। अंधी रफ्तार से दौड़ते ट्रकों पर प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई भी नहीं की जाती। कई बार कहा गया है कि ब्रिज के दोनों ओर ट्रैफिक संभालने के लिए पाइंट लगाया जाएगा, लेकिन यह कहीं दिखाई नहीं देता और हादसे बढ़ते जा रहे हैं।

मेट्रो एंकर प्रदेश की लाडली बहनों को अभी 1500 रूपए से ही करना होगा संतोष, जौरा विधायक के सवाल पर जवाब

सरकार ने कहा - हर महीने तीन हजार देने का अभी कोई प्रस्ताव नहीं

मुरैना। दोपहर मेट्रो

1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के लिए आई बड़ी खबर। सरकार ने कह दिया है की फिलहाल इस योजना में तीन हज़ार रूपए देने की कोई योजना नहीं है। विधानसभा में कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने लाड़ली बहना योजना की राशि तीन हजार रुपए करने और नए रजिस्ट्रेशन के संबंध में सवाल पूछा था। जिस पर महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने जवाब दिया कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

बता दें, जौरा से कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में दी जाने वाली राशि बढ़ाकर 3000 करने और 20 अगस्त, 2023 के बाद से नया पंजीयन नहीं होने पर सवाल किया था। जिन बहनों के नाम काटे जा रहे हैं, उन्हें सूचना नहीं दी जा रही है और महीने की निर्धारित 10 तारीख को भुगतान नहीं हो रहा है? लाड़ली बहना योजना के सभी केटेगरी के विज्ञापन पर वर्ष 2023 से जून 2025 तक कितनी राशि खर्च की गई? इसके साथ ही जून 2023 से जून 2025 तक लाड़ली बहना योजना में हितग्राही की संख्या तथा भुगतान की गई कुल राशि का हर महीने का अलग-अलग रिकॉर्ड मांगा था। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कांग्रेस विधायक के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि अभी राशि बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

रक्षाबंधन पर मिलेंगे 1500

अगस्त महीने में लाड़ली बहना योजना की 27वीं किस्त के रूप में 1250 सौ के साथ अतिरिक्त 250 सौ रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। साथ ही सीएम डॉ मोहन यादव ने ऐलान किया था कि भाईदूज से लाड़ली बहनों के खाते में 250 रुपए अतिरिक्त ट्रांसफर किए जाएंगे।

आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज: तेरहवीं तक का हिसाब लिखकर खुरई में परिवार के चार लोगों ने कर ली थी आत्महत्या

पत्नी और प्रेमी देवर के संबंध बने दर्दनाक घटना की वजह , दोनों गिरफ्तार

टिहरी में 25 जुलाई की रात जहरीला पदार्थ खाकर की थी सामूहिक आत्महत्या

सागर। दोपहर मेट्रो

खुरई के टिहरी गांव में हुए सामूहिक आत्महत्या मामले में पुलिस ने मनोहर की पत्नी द्रोपदी लोधी, एवं उसके प्रेमी रिश्ते के देवर सुरेन्द्र पिता घनश्याम लोधी पर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज किया है। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज गया। मिली जानकारी के अनुसार दोनों आरोपियों प धारा 107,108, 3-5 बीएनएस में मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह दांगी ने बताया कि मर्ग जांच में परिजन से पूछताछ में पता चला कि मनोहर की पत्नी का गांव के सुरेन्द्र से प्रेम संबंध था। मृतक के भाई नंदराम लोधी ने मृतक मनोहर लोधी के फोन की ऑडियो रिकार्डिंग उपलब्ध कराई। इसमें द्रोपदी और सुरेन्द्र सिंह लोधी कीबातचीत है। घटना के एक माह पहले द्रोपदी की बेटी शिवानी ने अपनी मां और सुरेन्द्र लोधी को भैंस बांधने वाले कमरे में आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। तब उसने मां को समझाया था।

इसके 15 दिन बाद दोनों को दोबारा आपत्तिजनक हालत में देखा तो पिता, दादी, छोटे भाई को पूरी बात बताई। इसके बाद परिवार ने घटना के तीन दिन पहले द्रोपदी को समझाने का प्रयास किया था लेकिन वह नहीं मानी और बोली की मैं सुरेन्द्र के साथ रहूंगी। यदि हमें अलग किया तो दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करा दूंगी। सुरेन्द्र लोधी ने भी कहा कि हम अलग नहीं रह सकते, द्रोपती को अलग करोगे तो तुम्हारी समाज में बदनामी करा दूंगा। दोनों ने मिलकर पति मनोहर लोधी, मां फूलरानी लोधी, बेटी शिवानी लोधी, बेटे अनिकेत लोधी पर मानसिक दबाव बनाया। इसके बाद उन्होंने 25 जुलाई की रात में जहरीला पदार्थ खा लिया था। जिससे उनकी मृत्यु हो गई थी।

प्रेमी देवर सुरेन्द्र और पत्नी द्रोपदी लोधी

सरकार भवन के लिए पैसा दे सकती है, इसमें आत्मा डालने का कार्य डॉक्टर करें-राजेन्द्र शुक्त

सागर में 80 करोड़ की लागत से शुरू होगा टाटा की तर्ज पर कैंसर अस्पताल

डॉक्टर का स्थान समाज में सर्वोपरि, डॉक्टर समाज का दिल जीतने का कार्य करें

सागर । दोपहर मेट्रो

डॉक्टर जिले में मातृ-शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रयास करें। सागर में 80 करोड़ रुपये की लागत से टाटा अस्पताल मुंबई की तर्ज पर कैंसर अस्पताल की शुरुआत की जाएगी। सरकार भवन के लिए पैसा दे सकती है लेकिन भवन में आत्मा डालने का काम डाक्टर पूरे मनोयोग से करें। यह बात उपमुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री तथा सागर जिले के प्रभारी राजेन्द्र शुक्ल ने कही । वे जिला चिकित्सालय परिसर में 100 बिस्तरों वाले नए महिला एवं शिशु रोग विभाग तथा एकीकृत पब्लिक हेल्थ लैब के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में क्रिटिकल केयर यूनिट के निर्माण का भूमि पूजन भी किया। इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन, सांसद डॉ. लता वानखेड़े, महापौर संगीता तिवारी, श्याम तिवारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। सरकार भवन एवं संसाधन के लिए पैसे उपलब्ध करा सकती है, लेकिन भवन में आत्मा डालने का कार्य डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ करें जिससे कि उचित इलाज मिल सके। उन्होंने कहा कि सागर में कैंसर अस्पताल की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए सरकार ने 80 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। यह अस्पताल जी प्लस 6 भवन में तैयार होगा और इसका अगले माह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भूमिपूजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कैंसर अस्पताल में सभी टाटा अस्पताल, मुंबई की तर्ज पर सुविधाएं, संसाधन एवं इलाज मुहैया कराया जाएगा।, जिससे बुंदेलखंड क्षेत्र के मरीजों को दिल्ली, भोपाल या मुंबई नहीं जाना पड़ेगा। शुक्ल ने बताया कि मध्यप्रदेश की मातृ एवं शिशु मृत्यु दर अत्यधिक है। इसे कम करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं की जांच, टीकाकरण और पंजीयन समय पर नहीं होता, जिससे मृत्यु दर अधिक होती है। उन्होंने कहा कि कि गर्भावस्था के पहले माह से ही जांच शुरू की जाए। आशा कार्यकर्ता, एएनएम एवं ग्रामीण क्षेत्र के मेडिकल अधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर जागरूक किया जाएगा।

एनएचएम के माध्यम से भी की जा रही हैं हजारों भर्तियां

प्रभारी मंत्री ने कहा कि डॉक्टर का स्थान समाज में सर्वोपरि होता है। सभी डॉक्टर समाज का विश्वास जीतें और समय पर उचित इलाज मुहैया कराएं। प्रभारी मंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आर्थिक सुशासन की स्थापना करते सभी कार्य कर रही है इसी के साथ 30 हज़ार से अधिक डॉक्टरों, मेडिकल एवं पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती भी सरकार के द्वारा की जा रही है। साथ ही एनएचएम के माध्यम से भी हजारों भर्तियां की जा रही हैं। संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि डॉक्टर भगवान का स्वरूप होते हैं, वे इस उपाधि को बनाए रखें और जनमानस को सर्वोत्तम स्वास्थ्य लाभ दें। विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि आज का यह लोकार्पण माताओं, बहनों और शिशुओं के लिए हैं इससे मातृ व शिशु मृत्यु दर अवश्य कम होगी और उनका समय पर उपचार मिल सकेगा। महापौर संगीता तिवारी ने कहा कि सागर निरंतर स्वास्थ्य सुविधा में लगातार आगे बढ़ रहा है बस आवश्यकता है जिला चिकित्सालय में ब्लड बैंक की क्षमता दोगुनी करने और बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में ब्लड बैंक शुरू करने की। कार्यक्रम का संचालन पूर्व चिकित्सक डॉ. श्याम मनोहर सिरोठिया ने किया एवं आभार प्रदर्शन सीएमएचओ डॉ. ममता तिमोरे ने किया।

सीएलसी एक्स्ट्रा राउंड प्रवेश प्रक्रिया 14 अगस्त तक, बढ़ाई समय सीमा

दमोह। हायर सेकेंडरी में 50 प्रतिशत रिजल्ट आने के बाद द्वितीय अवसर परीक्षा का रिजल्ट अब आ चुका है। जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक बच्चों ने सफलता हासिल की है। ऐसे विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश के लिए एक्स्ट्रा सीएलसी राउंड शुरू किया गया है। जो कि 14 अगस्त तक चलेगा। इसके तहत छात्र अपने विषय अनुसार प्रवेश ले सकेगा। बता दे,पीजी के लिए विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया 3 अगस्त तक रहेगी। सोमवार से यूजी के लिए आवेदन बढने की उम्मीद कॉलेज प्रबंधन को है। उच्च शिक्षा विभाग ने यूजी सीएलसी एक्स्ट्रा राउंड प्रवेश प्रक्रिया के लिए समय सारणी निर्धारित की है। जो यूजी के लिए 14 अगस्त तक चलेगी। इसे कई चरणों में बांटा गया है। पंजीकरण प्रारंभ करने की तिथि एवं समयए पंजीकरण की समाप्ति तिथि और समय, हेल्प सेंटर से फार्म का सत्यापन, ऑफर जारी होने का समयए छात्र द्वारा फीस भुगतान की तिथि, चॉइस हटाने की तिथि एवं समय आदि। इसकी पूरी सारिणी को भी पोर्टल और कॉलेज में भी चस्पा किया गया है।

चोरी करने वालों का गिरोह पर्दाफाश, 15 क्विंटल मसूर व वाहन बरामद

सागर। वेयरहाउस में चोरी करने वाले एक गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। आरोपियों के पास से 15 क्विंटल मसूर और एक बेलोरो जब्त की गई है। मिली जानकारी के अनुसार मनोज श्रीवास्तव ने पुलिस चौकी मंडी बामौरा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गौहर रोड स्थित गुरुकृपा वेयरहाउस का शटर तोड़कर अज्ञात चोर 21 कट्टी (बोरी) मसूर एवं 02 बोरी गेहूं चोरी कर ले गए। इसी प्रकार फरियादी योगेन्द्र रघुवंशी ने चौकी मंडी बामौरा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात चोरों ने यमुना वेयरहाउस का ताला तोड़कर 32 बोरी (16 क्विंटल) मसूर चोरी कर ली। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए एवं मुखबिरों से सूचना प्राप्त कर लगातार संदेहियों की तलाश की गई। गश्त के दौरान एक संदिग्ध बोलेरो कैंपर वाहन रोका गया। उसमें सवार पाँच व्यक्तियों से पूछताछ में वे अपनी पहचान छुपाने लगे तथा पूछताछ में संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए। आरोपियों से 15 क्विंटल मसूर और एक बेलोरो जब्त की है।

उज्जैन के मंगलनाथ रोड पर स्थित गार्डन में सो रहे पिता- बेटी को सांप ने काटा

उज्जैन। मंगलनाथ रोड पर स्थित आशीर्वाद गार्डन में सो रहे पिता-बेटी को सांप ने काट लिया। इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई। वहीं, पिता को इलाज के लिए आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, आशीर्वाद गार्डन में काम करने वाले मांगीलाल निनामा पत्नी और 3 बच्चों के साथ गार्डन में रहते थे। यह लोग बदनावर के रहने वाले थे। ये लोग गार्डन में ही रहकर देखरेख करते थे। पत्नी पड़ोस के गार्डन में काम करने गई थी। इसी दौरान कपड़े के अंदर छुपे सांप ने सुबह-सुबह मीनक्षी के हाथ में काट लिया। जब पिता ने कपड़े को देखा तो उन्हें भी सांप ने काट लिया। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

आशिक से अवैध संबंध के चलते हो गया बच्चा, करतूत छिपाने मां ने कर दी मासूम की हत्या

नरसिंहपुर। करेली थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। सासबहू गांव में एक महिला ने अपनी नवजात बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को कचरे के ढेर में फेंक दिया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। सासबहू गांव के तालाब के पास कचरे के ढेर में ग्रामीणों ने नवजात बच्ची का शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। जांच में सामने आया कि मृत बच्ची गांव की ही एक महिला की संतान थी, जो पिछले पांच साल से अपने पति से अलग रहकर मायके में रह रही थी। पुलिस पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह अवैध संबंधों से गर्भवती हुई थी और समाज में बदनामी के डर से उसने नवजात की हत्या कर दी।

नर्मदापुरम अस्पताल में बिजली गुल रोकनी पड़ी डिलीवरी, होते रहे परेशान

नर्मदापुरम। नर्मदा पुरम स्थित जिला शासकीय अस्पताल की बड़ी लापरवाही सामने आई। यहां बिजली जाने से मरीजों को अंधेरे में बेबस होकर रात गुजारनी पड़ी। अस्पताल प्रबंधन बिजली बैकअप के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने में नाकाम रहा। मरीजों के साथ ही उनके परिजन भी काफी परेशान दिखे। इसमें कई वार्ड प्रभावित हुए। पहली बार बिजली गुल करीब 8:50 से 10:50 के बीच हुई थी। इसमें अस्पताल के आधे हिस्से और नजदीकी डॉक्टर्स कॉलोनी में बिजली गई। दूसरी और गर्मी और उसके कारण परिजन और छोटे बच्चे परेशान दिखे। उनकी मां हाथ पंखे से काम चल रही थी। सारे इलाके में उमस फैली थीं। इस दौरान एक गर्भवती महिला की डिलीवरी को रोकना पड़ा। रसीदपुर निवासी पार्वती बाई पाल ने कहा कि उनकी बहू की 6 दिन पहले ही डिलीवरी हुई। बच्चा गर्मी से बिलखता रहा। पूरे वार्ड में घुटन सी फैल गई। वहीं एक अन्य अटेंडर ने बताया कि अस्पताल में इनवर्टर और जनरेटर दोनों थे। लेकिन बिजली के जाने से यह चालू नहीं हो सके। घंटों तक परेशान होते रहे। लोगों ने आरोप लगाया की व्यवस्था सिर्फ कागजों पर है। हकीकत में कोई उपयोग नहीं है। जब परिजन ने सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गहलोत को कॉल किया तो उन्होंने जवाब दिया कि मेरे खुद के बंगले में बिजली नहीं है और वह अस्पताल में देखने भी नहीं आये ।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए उठे हाथ, प्रशासन के साथ सामाजिक संस्थाओं और व्यापारियों ने भी की सहायता

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक के ग्राम झमरा और खमतरा बाढ में सबसे ज्यादा प्रभवित हुए हैं जहां 100 प्रतिशत नुकसान हुआ है। यहां रहने वाले ग्रामीणों के पास न तो कपड़े हैं, न भोजन के लिए खाद्य सामग्री। प्रशासन अपने स्तर से लोगों को भोजन-पानी देकर रहने की व्यवस्था करा रहा है। लेकिन जरूरत पूरी नहीं हो रही थी। इसलिए प्रशाससनिक अधिकारियों ने खुद पैसे एकत्रित कर सामग्री खरीदी और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में उसका वितरण झमरा और खमतरा ग्राम में किया। इसके बाद शिक्षक, विभाग वन विभाग, गल्ला व्यापारी वर्ग सहित अनेक लोग मदद के लिए आगे आए हैं।

आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र गौशाला के अध्यक्ष ने कमेटी के सदस्यों के साथ तारादेही सर्रा क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित ग्रामों में पहुंचकर लोगों को भोजन एवं वस्त्र वितरित किए। इस दौरान गौशाला अध्यक्ष संजय कुमार जैन के साथ उपाध्यक्ष पप्पू जैन,महामंत्री अमरचंद जैन,विदित सिंह तोमर,शासकीय ठेकेदार कमलेश शर्मा,संतोष सिंह,राधेश्याम कुर्मी, बंटू जैन, सुनीता,गीता कुर्मी,अजय सेन के साथ समस्त कर्मचारी मौजूद रहे। इससे पहले दमोह कलेक्टर की मौजूदगी में तेंदूखेड़ा नगर के गल्ला व्यापारियों ने बाढग्रस्त परिवार के बीच पहुंचकर मदद की थी जहां पर बच्चों को कपड़े और कंबलों का किया वितरण किया गया। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविद यादव, विधायक प्रतिनिधि चेतन जैन भागचंद जैन, भगत जैन,राकेश जैन, प्रहलाद असाटी, भूरे सिंघाई, श्री नंदन जैन आदित्य चौधरी रहे मौजूद रहे। वहीं ग्राम सर्रा में एडीएम मीना मसराम के साथ पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनीता सिंह ने बाढ़ग्रस्त परिवारो को कपड़े और खाद्य सामग्री बांटकर उनकी समस्याएं सुनी और आगे भी मदद करने का आश्वासन दिया।

तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र अधिकारी मेघा पटेल अपने वन अमले के साथ टेड महगुवा ग्राम पहुंची , बाढ़ग्रस्त परिवार की समस्या सुनी और खाद्य सामग्री व अनाज का किया वितरण इस दौरान सर्किल ऑफिसर भगवान दास सेन वनरक्षक अभिषेक मोदी कपिल ठाकुर इंद्र यादव मौजूद रहे।

आफत में आई जान

युवक ने स्कॉर्पियो से किया खतरनाक स्टंट, पुलिया से नीचे खेत में पलट गई गाड़ी

बालाघाट। सोशल मीडिया पर फेमस होने की चाहत में आजकल युवा ऐसा खतरनाक कदम उठा लेते हैं जिससे उनकी जान आफत में जाती है। ऐसा ही एक मामला बालाघाट से सामने आया। यहां सोशल मीडिया में फेमस होने के लिए एक युवक ने अपनी जान और राहगीरों की सुरक्षा दांव पर लगा दी। गनीमत रही घटना के वक्त रास्ता खाली था नहीं तो कोई जानलेवा हादसा हो सकता था। दरअसल, मामला लालबर्रा थाना क्षेत्र के अमोली-बम्हनी मार्ग का है। यहां सोशल मीडिया पर रील बनाने वाले युवक नवीन खरे ने खतरनाक स्टंट करते हुए तेज रफ्तार स्कॉर्पियो को पुलिया के ऊपर भरे पानी पर दौड़ा दिया। उसका यह स्टंट कितना खतरनाक हो सकता था उसने सोचा भी नहीं होगा। स्टंट के दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर खेत में जा पलटी। हालांकि, सौभाग्य से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और चालक बाल-बाल बच गया, लेकिन इस दुस्साहस का खामियाजा वहां से गुजर रहे एक स्कूली छात्र को भुगतना पड़ा। उसका वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

मेट्रो एंकर | **दुर्लभ अयस्कों के लिए अन्य देशों पर कम होगी भारत की निर्भरता**

सिंगरौली में मिला रेयर अर्थ एलिमेंट्स का खजाना, बढ़ेगी औद्योगिक रफ्तार

सिंगरौली। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में एक ऐसा दुर्लभ खजाना मिला है, जिससे पूरी दुनिया में भारत का डंका बजेगा और भारत औद्योगिक क्षेत्र में रॉकेट की रफ्तार से विकास कर सकेगा। इस संसद में कोयला व खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कही है। उन्होंने बताया कि सिंगरौली जिले में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (दुर्लभ मृदा तत्वों) के अकूत भंडार मिले हैं। इनके मिलने से ग्रीन एनर्जी के मामले में भारत का डंका पूरी दुनिया में बजेगा।

कोयला व खान मंत्री ने बताया कि देश में पहली बार सिंगरौली में रेयर अर्थ एलिमेंट्स के इतने बड़े भंडार मिले हैं । ये भंडार मिलने के बाद भारत की औद्योगिक क्षेत्र रफ़्तार तेज़ होगी। खासकर ग्रीन एनर्जी और इलेक्ट्रनिक्स वाहनों के लिए ये भंडार काफी अहम भूमिका निभाएंगे। सिंगरौली में काफी दिनों से कोल इंडिया लिमिटेड की कर टीमें कोयला खदानों से निकलने वाले अपशिष्ट से दुर्लभ मृदा तत्वों को लेकर रिसर्च में जुटी हैं। श्री रेड्डी के मुताबिक सिंगरौली के कोयला क्षेत्रों में कोयला, मिट्टी, शेल, बलुआ पत्थर की रिसर्च के रिजल्ट आशा के अनुकूल आए हैं। दुर्लभ मृदा अयस्क किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए काफी अहम हैं। ये दुर्लभ मृदा तत्वों के भंडार आत्मनिर्भर भारत अभियान में बड़ी भूमिका निभाएंगे। उम्मीद ये भी जताई जा रही है कि इस भंडार के मिलने के बाद दुर्लभ अयस्कों के लिए भारत की निर्भरता अन्य देशों खासकर चीन पर न के बराबर हो जाएगी।

मकाऊ ओपन: लक्ष्य और मन्नेपल्ली की हार, खत्म हुआ भारतीय अभियान

मकाऊ । लक्ष्य सेन और थारुन मन्नेपल्ली अपने-अपने पुरुष एकल सेमीफाइनल गंवा बैठे, जिसके साथ मकाऊ ओपन में भारत का अभियान शनिवार को समाप्त हो गया। लक्ष्य को पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई शटलर अल्वी फरहान के खिलाफ 39 मिनट में 16-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, मन्नेपल्ली को मलेशिया के जस्टिन होह के खिलाफ एक घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह 2025 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में लक्ष्य सेन का अब तक का सबसे सफल अभियान रहा। इस सीजन में वह पहली बार किसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे। पिछले साल के अंत में सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीतने के बाद से उन्होंने 10 बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट खेले, लेकिन किसी में सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सके थे। इस सीजन में लक्ष्य को दो बार दूसरे राउंड और छह बार पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा, जिसमें चाइना ओपन जैसी बड़ी प्रतियोगिता भी शामिल है। लक्ष्य ने गुरुवार को कड़े मुकाबले में जीत के बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

यशस्वी का बैटिंग स्टाइल बनाता है उन्हें टीम के लिए *अहम*: शास्त्री

लंदन । भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें टेस्ट के तीसरे दिन से पहले रवि शास्त्री ने यशस्वी जायसवाल के बल्लेबाजी शैली की तारीफ की। भारतीय टीम के पूर्व हेड कोच शास्त्री का मानना है कि जायसवाल का अनूठा दृष्टिकोण उन्हें भारत के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाता है। जायसवाल इस टेस्ट मैच में गजब की लय में दिख रहे हैं, उन्होंने तेजी से हाफ सेंचुरी पूरी कर ली है और खबर लिखे जाने तक उन्होंने 10 चौके और 2 छक्के की मदद से 82 रन बना लिए हैं। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 123 रनों की बढ़त बना ली है और अभी भी 8 विकेट बाकी हैं। जायसवाल को मैच के दौरान दो बार जीवनदान भी मिला है। 20 रन के स्कोर पर स्लिप में हैरी ब्रुक ने और फिर 40 रन पर डीप फाइन लेग पर लियाम डॉसन ने कैच छोड़ दिया। शास्त्री ने कहा कि यह मैच बेहद संतुलित है और जायसवाल का अहम विकेट है। जब तक वह खेल रहे हैं, इंग्लैंड के कप्तान पोप को सिरदर्द होगा।

नेशनल बैंक ओपन टेनिस, शेल्टन भी आगे बढ़े

कनाडा के गैब्रियल डायलो को हराकर टेलर फ्रिट्ज तीसरे दौर में

टोरंटो , एजेंसी

दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने कनाडा के छह फुट आठ इंच लंबे गैब्रियल डायलो को 6-4, 6-2 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। फ्रिट्ज का सामना अब चेक गणराज्य के 19वीं वरीयता प्राप्त जिरि लेहेका से होगा जिन्होंने फ्रांस के 15वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। अन्य मैच में अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन ब्रेंडन नकाशिमा को 6-7, 6-2, 7-6 से मात दी। अब वह इटली के 13वीं वरीयता प्राप्त फ्लाविओ कोबोली से खेलेंगे। रूस के छठी वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को 5-7, 6-4, 6-3 से हराया । सातवी वरीयता प्राप्त अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो ने आस्ट्रेलिया के अलेक्जेंडर वुकिच को 6-3, 4-6, 6-3 से मात दी। अब वह ऑस्ट्रेलिया के ही एलेक्स डि मिनौर से खेलेंगे।

हार का मुंह देखना पड़ा जेसिका पेगुला का

दो बार की गत चैम्पियन जेसिका पेगुला नेशनल बैंक ओपन टूनार्मेंट के तीसरे दौर में अनास्तासिया सेवास्तोवा से 6-3, 4-6, 1-6 से हार गई। लातविया की 35 वर्ष की सेवास्तोवा 2018 में 11वीं रैंक पर थीं, लेकिन अब 386वें स्थान पर खिसक गईं। अब उनका सामना जापान की नाओमी ओसाका से होगा जिन्होंने लातविया की येलेना ओस्टापेंको को 6-2, 6-4 से हराया। अन्य मैचों में विम्बलडन चैम्पियन पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जर्मनी की इवा लिस को 6-2, 6-2 से हराया। अब उनका सामना डेनमार्क की क्लारा टाउसन से होगा जिन्होंने यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-0 से मात दी। अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने इंग्लैंड का एम्मा राडुकानू को 6-2, 6-1 से हराया। अब वह यूक्रेन की दसवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना से खेलेंगी जिन्होंने रूस की अन्ना कालिंस्काया को 6-1, 611 से शिकस्त दी। छठी वरीयता प्राप्त अमेरिका की मेडिसन कीस ने हमवतन कैटी मैकनैली को 2-6, 6-3, 6-3 से हराया।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025, साउथ अफ्रीका ने जीता खिताब

डिविलियर्स के तूफानी शतक ने चकनाचूर की पाक की उम्मीदें

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान चैंपियंस को करारी हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका चैंपियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीत लिया। इस फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद हफीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया। तीसरे ओवर में ही कामरान अकमल आउट हो गए। कप्तान हफीज ने 10 गेंदों में 17 रन बनाए, जबकि शोएब मलिक 20 रन(25 गेंद पर आउट हुए और बड़ी पारी नहीं खेल सके।

इसके बाद शर्जील खान ने 44 गेंदों में 76 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। उनके बाद उमर अमीन और आसिफ अली ने तेज़ी से रन बनाए और मिलकर 31 गेंदों में 61 रन जोड़े। साउथ अफ्रीका की ओर से वेन पार्नेल ने 4 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए, वहीं हार्डस विल्जोएन ने भी 2 विकेट चटकाए। पाकिस्तान ने 20 ओवर में 195/5 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की पारी

जवाब में साउथ अफ्रीका की शुरुआत जबरदस्त रही। टीम ने 6 ओवरों में ही 72 रन बना लिए। पावरप्ले की आखिरी गेंद पर हाशिम अमला 18 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पाकिस्तान की फील्डिंग बेहद कमजोर दिखी, कई कैच टपकाए गए। एबी डिविलियर्स, जो कि हैमस्ट्रिंग चोट के चलते सिर्फ बल्लेबाज़ी कर रहे थे, ने ५इम्पैक्ट प्लेयर५ के तौर पर उतरते हुए 47 गेंदों में अपना तीसरा शतक पूरा किया। उन्होंने अंत तक नाबाद 120 रन 60 गेंद, 12 चौके, 7 छक्के की पारी खेली। उनके साथ जेपी डुमिनी ने भी शानदार बल्लेबाज़ी की और दोनों ने मिलकर 65 गेंदों में 125 रन की अटूट साझेदारी की। डुमिनी भी 28 गेंदों में 50 रन बनाकर नाबाद रहे। मैच के बाद भारत-पाकिस्तान विवाद के चलते पीसीबी ने एक बड़ा फैसला लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब कोई भी निजी लीग में पाकिस्तान नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा।

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर की सलाह

विराट और रोहित शर्मा को वनडे में खेलते रहना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का मानना है कि भारत को विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के साथ वनडे प्रारूप में खेलना जारी रखना चाहिए। लेकिन, अगर भारतीय टीम मैनेजमेंट उनका विकल्प ढूंढेगा तो उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी।

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम को चैंपियन बनाने के बाद इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ठीक पहले दोनों ने अचानक टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

रोहित और विराट फिलहाल वनडे फॉर्मेट के लिए उपलब्ध हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या ये दोनों खिलाड़ी 2027 का वनडे विश्व कप खेलेंगे? पनेसर ने कहा, ÷भारत को विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ खेलना जारी रखना चाहिए। उनके पास काफी अनुभव है और उनका टीम में होना बेहद जरूरी है, लेकिन मुझे लगता है कि विश्व कप के लिए ऐसा करना संभव है।

चैंपियन ट्राफी में खेलते दिखे थे दो दिग्गज

रोहित शर्मा और विराट कोहली आखिरी बार भारत के लिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलते दिखे थे। भारतीय टीम ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। एशिया कप 2023 और टी20 विश्व कप 2024 के बाद रोहित शर्मा के लिए बतौर कप्तान यह तीसरी बड़ी ट्रॉफी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली पिछले एक दशक में वनडे फॉर्मेट में दुनिया के श्रेष्ठ बल्लेबाज रहे हैं। रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर और कप्तान अपना प्रभाव छोड़ा है। वहीं, विराट वनडे फॉर्मेट के श्रेष्ठतम बल्लेबाजों में हैं और सक्रिय बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा वनडे रन उनके नाम हैं।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

अनिल ने एनिमल की राष्ट्रीय पुरस्कारों में तीन बड़ी जीत का मनाया जश्न

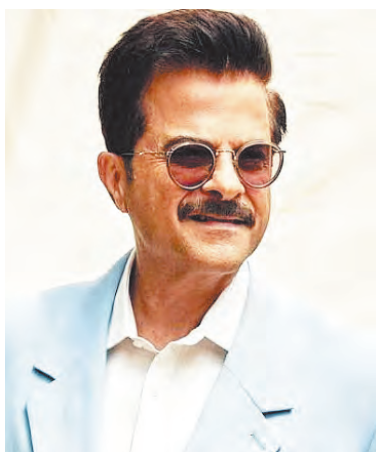

मेगास्टार अनिल कपूर गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं क्योंकि एनिमल ने 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में ज़ोरदार दहाड़ लगाई है, और तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार अपने नाम किए हैं। इस फिल्म ने अपनी भव्यता, दमदार अभिनय और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए खूब सराहना पाई। एनिमल को निम्नलिखित श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए। सर्वश्रेष्ठ पृष्ठभूमि संगीत हर्षवर्धन रमेश्वर) सर्वश्रेष्ठ री-रिकॉर्डिंग मिक्सर राजा कृष्णन, सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिजाइन सचिन सुधाकरन और हरिहरन मुरलीधरन। अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर इस बड़ी उपलब्धि की खुशी साझा करते हुए लिखा॰ ÷टीम एनिमल को ढेरों बधाई ! 3 राष्ट्रीय पुरस्कारों के विजेता ! क्या टीम है, क्या दहाड़ है !÷ टीमवर्क और जुनून के प्रतीक अनिल कपूर की यह भावुक पोस्ट इस बात को दर्शाती है कि वे ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनकर कितना गौरव महसूस करते हैं जो रचनात्मक सीमाओं को पार करते हुए सशक्त सिनेमाई अनुभव प्रस्तुत करते हैं।

रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और बॉबी देओल अभिनीत और संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित, एनिमल साल की सबसे बड़ी रिलीज़ में से एक थी और इसे व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ आलोचकों की भी प्रशंसा मिली। फिल्म के संगीत और साउंडस्केप, खासकर हर्षवर्धन रामेश्वर के दिल को छू लेने वाले बैकग्राउंड स्कोर को, इसकी दमदार कहानी में गहराई लाने के लिए खूब सराहा गया।

मंडला मर्डर्स में रहस्यमयी किरदार पर बोलीं श्रिया

बेहद गहरा, मजेदार-सशक्त रहा अनुभव

एक्ट्रेस श्रिया पिलगांवकर इन दिनों यशराज फिल्म्स वाईआरएफ की नई वेब सीरीज मंडला मर्डर्स में अपने रहस्यमयी किरदार को लेकर चर्चा में हैं। इस क्राइम थ्रिलर सीरीज में उन्होंने रुक्मिणी नाम की एक महिला की भूमिका निभाई है, जो 1950 के दशक में एक गुप्त पंथ की संस्थापक रही हैं। भले ही उनकी भूमिका सीमित थी, लेकिन अभिनेत्री का कहना है कि यह अनुभव उनके लिए बेहद गहरा, मजेदार और सशक्त रहा। श्रिया ने इंस्टाग्राम पर शूटिंग के दौरान की कुछ बीटीएस बिहाइंड द सीन फोटोज और वीडियो पोस्ट किए हैं। इनमें उनके किरदार की लुक टेस्ट क्लिप भी शामिल है, जहां वह रंग-बिरंगे कपड़ों और भारी गहनों में नजर आ रही हैं। एक वीडियो में वह कहती हुई दिख रही हैं, मुझे यह लुक बहुत पसंद आया। जाहिर है कि मेरा किरदार ऐसे ही उठती है।

एक तस्वीर में श्रिया हाथ में स्क्रिप्ट पकड़े हुए नजर आ रही हैं, इस पर उन्होंने लिखा है, अपने डेब्यू फिल्म फैन के बाद वाईआरएफ के साथ फिर काम करना बेहद खास रहा। बता दें कि श्रिया ने 2016 में शाहरुख खान की फिल्म फैन से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अपने पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा कोई रोल करूंगी। लेकिन, अब जब किया है, तो महसूस हो रहा है कि मुझे अपना काम कितना पसंद है।

इनका किया धन्यवाद

उन्होंने आगे निर्देशक गोपी पुथरन, कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा, सह-निर्देशक मनन रावत और निर्माता आदित्य चोपड़ा का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्हें यह अलग किस्म का किरदार निभाने का मौका मिला। मंडला मर्डर्स को गोपी पुथरन और मनन रावत ने मिलकर बनाया और निर्देशित किया है। यह सीरीज उपन्यास द बुचर ऑफ बनारसी पर आधारित है। नेटफ्लिक्स की क्राइम थ्रिलर सीरीज मंडला मर्डर्स में सिद्धांत कपूर भी हैं, जिन्होंने खतरनाक गैंगस्टर का रोल निभाया है। यह कहानी एक काल्पनिक शहर चरणदासपुर की है, जहां दो पुलिस वाले एक हत्याकांड मामले की जांच करते हैं। ये हत्याएं धार्मिक तरीकों से जुड़ी होती हैं।

कटहल को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का नेशनल अवार्ड मिलने पर बोली सान्या

मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं

मुंबई। प्रतिभाशाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपनी प्रशंसित फिल्म %कटहल॰ अ जैकफ्रूट मिस्ट्री% को इस साल के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का खिताब दिलाकर अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज कर लिया है। अपने बहुमुखी अभिनय और अनोखी पटकथाओं को चुनने की कला के लिए जानी जाने वाली सान्या एक बार फिर ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनी हैं जो अपनी विषयवस्तु और कलात्मक प्रस्तुति के लिए सराही गई हैं। सान्या मल्होत्रा की व्यंग्यात्मक कॉमेडी फिल्म %कटहल॰ अ जैकफ्रूट मिस्ट्री,% जिसे इसकी ताजगी भरी कहानी, सामाजिक प्रासंगिकता और अनोखे हास्य के लिए प्रशंसित है, फिल्म में उन्होंने एक जुझारू पुलिस अफसर की भूमिका निभाई, जो दो कीमती कटहलों की चोरी की जांच करती है। इस बड़ी जीत के बाद सान्या ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा- मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ कि %कटहल% को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

यह कहानी मेरे लिए बेहद खास रही है, और मैं गुनीत मोंगा, अचिन जैन और पूरी टीम की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इतना अनोखा किरदार दिया। यह फिल्म व्यंग्य और संवेदनशीलता के माध्यम से समाज की महत्वपूर्ण सच्चाइयों को दर्शाती है, और मुझे खुशी है कि यह दर्शकों के साथ जुड़ पाई। इस सम्मान से मुझे और भी अधिक सार्थक सिनेमा चुनने की प्रेरणा मिलती है। जूरी और कटहल को समर्थन देने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद।

कई अवार्डों से नवाजा गया सैम बहादुर को

इस खुशी में और इज़ाफ़ा करते हुए, विक्की कौशल के साथ सान्या मल्होत्रा की मुख्य भूमिका वाली फिल्म सैम बहादुर को कई पुरस्कारों से नवाज़ा गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ मेकअप, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन और राष्ट्रीय, सामाजिक एवं पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म शामिल हैं। भारत के महान फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर आधारित इस बायोपिक को उसकी प्रामाणिकता और देशभक्ति व नेतृत्व की प्रेरणादायक कहानी के लिए खूब सराहा गया। सान्या की सफलता यहीं नहीं रुकी — शाहरुख़ ख़ान अभिनीत फिल्म जवान, जिसमें सान्या एक अहम भूमिका में थीं, ने भी शीर्ष सम्मान अर्जित किया, जो उनकी उस सिनेमा से जुड़ाव को दर्शाता है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत

भोपाल। ईटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित गोया कॉलोनी में शनिवार सुबह हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार पप्पू सहरिया पिता बाबूलाल सहरिया (20) गोया कॉलोनी में रहता था और प्राइवेट काम करता था। मोहल्ले में उसके रिश्तेदार रहते हैं। रिश्तेदार का घर बन रहा है। पहली मंजिल पर सेंट्रिंग लगी हुई थी। वह रिश्तेदार के साथ सेंटिं ग पर चढ़कर देख रहा था, तभी ऊपर से गुजरी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। उसे करंट का तगड़ा झटका लगा था। रिश्तेदार और परिजन पप्पू को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

हेल्पर की करंट लगने से मौत

इधर खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित ग्यारह मील पर वीरू ढाबा के पास चित्तौड़गढ़ से आए हेल्पर को करंट लग गया। उसे इलाज के लिए ड्राइवर अस्पताल लेकर पहुंचा था। वहां इलाज के दौरान हेल्पर की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है। मृतक के परिजन चित्तौड़गढ़ से भोपाल के लिए निकल गए हैं। परिजन के भोपाल पहुंचने पर शव का पीएम कराया जाएगा।

पुलिस के अनुसार देव किशन पिता पप्पू (23) चित्तौड़गढ़, राजस्थान का रहने वाला था। वह ट्रक में हेल्परी करता था। गत 30 जुलाई को वह ट्रक में भोपाल आया था। वीरू ढाबा के पास उसने किसी गोदाम में ट्रक खाली किया और ढाबा के पास नहाने के बाद पास ही तार में कपड़े सुखाने डाल रहा था। तार में करंट होने के कारण उसे करंट लग गया। बताया जाता है कि तार सर्विस लाइन की संपर्क में था और उसमें कट लगा हुआ था। करंट लगने के बाद देव किशन को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई।

स्टेशन पर भीड़ नियंत्रित रखने नई व्यवस्था लागू होगी

भोपाल। रेलवे अब अपने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए भोपाल समेत 73 प्रमुख एवं व्यस्त रेलवे स्टेशनों पर नई व्यवस्था लागू करने वाला है। नई व्यवस्था के तहत स्टेशन निदेशक को विशेष अधिकार दिए जाएंगे, ताकि वे त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर भीड़ नियंत्रण की जिम्मेदारी निभा सकें। स्टेशन निदेशक अब यात्रियों को ट्रेन आने के समय से काफी पहले प्लेटफार्म पर जाने से रोक सकेंगे। यात्रियों को प्रतीक्षालय में ही रहना होगा। खबरों के मुताबिक रेलवे ने प्रयागराज महाकुंभ और मुंबई में हुई भगदड़ के अनुभवों से सबक लेते हुए यह निर्णय लिया है। महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली, सूरत और पटना जैसे प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी प्रतीक्षालय बनाकर भीड़ को रोका गया था। अब इस मॉडल को स्थायी रूप दिया जा रहा है। लिहाजा अब सभी व्यस्त स्टेशनों पर स्थायी प्रतीक्षालय बनाए जाएंगे, जहां से यात्रियों को केवल ट्रेन के आगमन के समय ही प्लेटफार्म तक पहुंचने की अनुमति होगी। त्योहारों के दौरान ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ की स्थिति में स्टेशन निदेशक ट्रेनों की उपलब्धता और क्षमता के अनुसार टिकटों की बिक्री को नियंत्रित कर सकेंगे।

ईटखेड़ी पुलिस ने सर्विस रोड पर खड़े 6 डंपर किए जब्त

भोपाल। देहात की ईटखेड़ी पुलिस ने अवैध रूप से सड़क किनारे खड़े पर डंपरों को जब्त कर चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। इन डंपरों के चालकों की लापरवाही के कारण अक्सर हादसे होने की आशंका बनी रहती थी। एसपी प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि ईंटखेड़ी पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने साथ ही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया। लांबाखेड़ा हॉटस्पॉट क्षेत्र में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि डंपर चालकों, मालिकों द्वारा बायपास क्षेत्र में डंपर खड़े कर आम मार्ग को अवरुद्ध किया जा रहा है, जिससे यातायात बाधित हो रहा था एवं दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई थी। इस विषय में क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा भी उचित कार्रवाई के लिए सुझाव प्राप्त हुए थे।

वाट्सएप से लोगों को आईडी पासवर्ड भेजकर खिला रहा था ऑनलाइन सट्टा

वेबसाइट के जरिए से ऑनलाइन सट्टा खिला रहा बुकी गिरफ्तार, सात के खिलाफ प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा पुलिस ने ऑनलाइन सट्टे का भंडाफोड़ किया है। आरोपी ऑनलाइन वेबसाइट पर वाट्सएप के माध्यम से आईडी पासवर्ड उपलब्ध कराकर ऑनलाइन सट्टा खिला रहे थे। पुलिस ने आधा दर्जन सटोरियों को भी आरोपी बनाया है, जो मुख्य आरोपी से आईडी पासवर्ड लेकर ऑनलाइन सट्टा खेलकर पैसों का ऑनलाइन लेनदेन कर रहे थे। सभी आरोपियों के खिलाफ पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार 1 अगस्त को सूचना मिली कि पंचवटी कॉलोनी स्थित भोपाल गर्ल्स स्कूल के पास बैठा एक व्यक्ति ऑनलाइन

वेबसाइट पर मास्टर आईडी क्रिएट कर लोगों को सट्टा खेलने के लिए व्हाट्सएप के माध्यम से आईडी पासवर्ड भेज रहा है।

वह खुद भी वेबसाइट पर दांव लगाकर सट्टा खेल रहा है और हार-जीत होने पर पैसे ऑनलाइन ट्रांसफर कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंची। वहां सदिग्ध युवक मोबाइल चलाता नजर आया। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने अपना नाम पवन चंदवानी (43) निवासी पंचवटी कालोनी एयरपोर्ट रोड बताया।

उसका मोबाइल चेक किया तो गूगल क्रोम पर ऑनलाइन वेबसाइट पर मास्टर आईडी क्रिएट कर वाट्सएप के माध्यम से लोगों को आईडी पासवर्ड भेजने की पुष्टि हुई। वह लोगों से ऑनलाइन पैसे लेकर सट्टा खिलवा रहा था। उसके मोबाइल में ऑनलाइन सट्टे का हिसाब-किताब और बुकी को ऑनलाइन पैसा आईडी भेजने का हिसाब लिखा मिला।

मुख्य बुकी की तलाश जारी

पुलिस ने बताया कि आरोपी पवन चंदवानी ने रवि मूलचंदानी, राहुल रामानी, ओमप्रकाश शर्मा, अमन मूलचंदानी, किट्टू सितलानी और कमलेश को भी ऑनलाइन व्हाट्सएप के माध्यम से सट्टा खेलने के लिए आइडी पासवर्ड उपलब्ध कराकर पैसों का लेनदेन किया गया है। आरोपी पवन ने जिस वेबसाइट पर सट्टा खिलाने की आईडी प्राप्त की है, उस मुख्य बुकी और अन्य मामलों की जानकारी के लिए आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पत्नी गई थी काम पर पति ने जहर खाकर दी जान

भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित बिड़ला मंदिर के पास ओम नगर झुग्गीबस्ती में शनिवार दोपहर एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। घटना से कुछ देर पहले ही पत्नी काम पर चली गई थी जबकि घर में युवक अपने तीन साल के बेटे के साथ अकेला था। युवक ने पड़ोसियों को जहर खाने की जानकारी दी। फौरन उसे जेपी अस्पताल और फिर वहां से हमीदिया अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। फिलहाल कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस के मुताबिक ओम नगर क्रमांक-दो निवासी गोलू धाकड़ (32) प्राइवेट काम करता था। पत्नी भी काम पर जाती है। उनके दो बच्चे हैं। छोटा बेटा लगभग तीन साल की है जबकि उससे बड़ी बेटी सात साल की है। पुलिस ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे गोलू ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगडे पर उसने पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। पड़ोसियों ने कॉल कर पत्नी को घर बुलाया और गंभीर हालत में गोलू को जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर देख वहां से हमीदिया अस्पताल रवाना कर दिया गया। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद बयान दर्ज किए जाएंगे। उसके बाद ही कारण सामने आने की उम्मीद है।

घायल मामा को देखने एम्स गईं 11 और 7 साल की बहनों का अपहरण

इटारसी, होशंगाबाद व अन्य जगहों पर तलाश करने के बाद दर्ज कराया प्रकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एम्स अस्पताल में भर्ती अपने मामा को देखने गई 11 और सात साल की दो सगी बहनें रहस्यमय तरीके से लापता हो गईं। वह अपनी मां के साथ अस्पताल गई थीं। परिजनों ने हर संभव ठिकानों पर तलाश की लेकिन जब एक सप्ता बाद भी कहीं सुराग नहीं मिला तो बाग सेवनियां पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण का प्रकरण दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक बाग मुगालिया इलाके में रहने वाली महिला और उनका परिवार झाड़ू बनाने का काम करता है। विगत 20 जुलाई को एक सडक़

हादसे में महिला का भाई गंभीर रूप से घायल हो गया था। एम्स अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि शनिवार 28 जुलाई को महिला अपनी 11 और 7 साल की दो बेटियों को लेकर एम्स में भर्ती भाई को देखने गई थीं। वहां अस्पताल के बाहर पांच रुपए में खाना मिलने की जानकारी मिलने पर दोनों बच्चियां मां से पैसे लेकर खाना लेने गई थीं। लेकिन वे दोनों लौटी नहीं। बच्चियों की खोजबीन के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में एनएफएल अधिकारियों ने किया पौधारोपण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी की पहल पर संचालित पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत आज नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल), विजयपुर इकाई के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया गया।

इस अवसर पर कुलगुरु तिवारी, निदेशक रेडियो डॉ. आशीष जोशी, मुख्य प्रबंधक (कॉरपोरेट संचार) विक्रम रावत, मुख्य प्रबंधक (वित्त), विजयपुर यूनिट पंकज कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, भोपाल अशोक खाखा, सहायक कुलसचिव (अकादमिक) गिरीश जोशी, तथा प्रबंधक, रेडियो कर्मवीर डॉ. परेश उपाध्याय उपस्थित रहे।

इस अवसर पर एनएफएल एवं रेडियो कर्मवीर के संभावित सहयोग से किसानों के लिए मिट्टी की उर्वरता और उपज बढ़ाने संबंधी प्रायोजित रेडियो कार्यक्रमों के निर्माण एवं प्रसारण के प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कलचुरी महासभा ने महेश्वर को नया नाम देने की रखी मांग

भोपाल। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक जे.के. अस्पताल परिसर के सीएमई सभागार में संपन्न हुई। इस अवसर पर देशभर से आए समाजसेवी, बुद्धिजीवी, प्रतिनिधि और राष्ट्रीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय नारायण चौकसे ने की। इस दौरान जातिगत जनगणना में समाज की वास्तविक उपस्थिति दर्ज कराने हेतु यह प्रस्ताव पारित किया गया कि जाति कॉलममें कलार, कलाल, कलवार, अहलुवालिया, जायसवाल, चौकसे, राय, शिवहरे आदि जैसे उपनामों से पूर्व %कलचुरी% शब्द जोड़ा जाए। बैठक में चौकसे ने कहा कि कलचुरी वंश के अंतर्गत आने वाले उपवर्गों की संख्या हजार से अधिक है, जो अलग-अलग उपनामों से जनगणना में शामिल होते हैं। इससे समाज की वास्तविक संख्या स्पष्ट नहीं हो पाती बैठक में मध्यप्रदेश के महेश्वर नगर को 'राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु धाम' के रूप में सरकार से घोषित करवाने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सभी प्रतिनिधियों ने सहर्ष समर्थन दिया। इसके लिये राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावशाली अभियान शुरू करने का भी निर्णय हुआ।

कम दहेज पर हुआ विवाद पति ने दिया *तीन तलाक*

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कम दहेज देने की बात पर 32 साल की महिला को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। टीला जमालपुरा पुलिस ने मुस्लिम महिला विवाह संरक्षण अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक 32 साल की महिला की शादी साल 2019 में टीला जमालपुरा की एक कॉलोनी में रहने वाले दानिश के साथ हुई थी।

उनका एक पांच साल का बच्चा है। शादी के बाद से ही पति समेत सास व ससुर कम दहेज लाने का ताना मानकर

पीड़िता को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। शुक्रवार को भी दहेज की बात को लेकर ही विवाद हुआ और पति ने पीड़िता को तीन तलाक दे दिया। पुलिस ने टीला जमालपुरा थाने पहुंचकर पति व सास-ससुर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी पति कोई काम नहीं करता है।

मेट्रो एंकर — कारणों की तलाश, शराब का आदी था

देर रात तक मोबाइल पर बातचीत करने के बाद युवक ने लगाई फांसी

भोपाल,दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित कच्ची मार्केट के पास भेल के क्वार्टर में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या से पहले वह देर रात अपनी महिला मित्र से बातचीत कर रहा था। अनुमान है कि महिला मित्र से किसी बात को लेकर कहासुनी होने के बाद उसने यह कदम उठाया है। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार उमेश मेहरा पिता ज्ञान

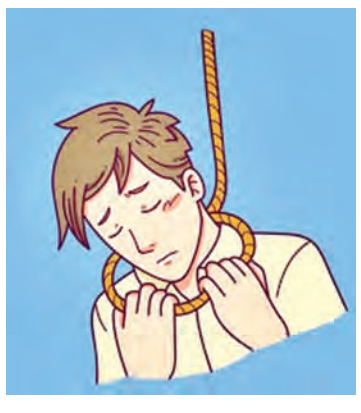

सिंह मेहरा (27) कच्ची मस्जिद के पास भेल के क्वार्टर में रहता था। वह भेल में ठेका श्रमिक था। उसके पिता ज्ञान सिंह हलवाई है। ज्ञान सिंह ने पुलिस को बताया कि परिवार में दो बेटियां हैं, जिनकी वे शादी कर चुके हैं। उमेश अविवाहित था और एक युवती से बातचीत करता था और उससे शादी भी करना चाहता था। उमेश को शराब पीने की लत थी और शुक्रवार रात भी वह अधिक मात्रा में शराब पीकर पहुंचा था। इसके बाद कमरे में चला गया। रात करीब ढाई बजे तक उसे परिचित युवती से मोबाइल पर बातचीत करते देखा गया। सुबह करीब छह बजे मां की नींद खुली तो वह उमेश के कमरे में पहुंची थी। इस दौरान उमेश फांसी के फंदे पर लटका मिला। उनकी चीख पुकार सुनकर ज्ञान सिंह की नींद खुल गई। उन्होंने तत्काल एंबुलेंस को कॉल किया। मौके पर पहुंचे एंबुलेंस के स्वास्थ्यकर्मी ने उमेश को चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस का कहना है कि मोबाइल में भी कोई वीडियो अथवा ऐसा मैसेज नहीं मिला है।

मेडिकल कालेज में अवैध नियुक्ति निरस्त, जुर्माना भी लगाया

भोपाल ।जबलपुर गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में हुई नितिन अग्रवाल सहित अन्य की अवैध नियुक्तियों को हाई कोर्ट ने निरस्त कर दिया है। जानकारी के मुताबिक न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने पूर्व डीन सलिल भार्गव पर दो लाख का जुर्माना भी लगाया है। मामला योग्य आवेदक को नौकरी से वंचित करने व फर्जी शपथ पत्र पेश करने से संबंधित है।कोर्ट ने भार्गव की सेवानिवृत्ति की आयु के मद्देनजर रियायत देते हुए एफआईआर दर्ज करने के निर्देश जारी करने के स्थान पर महज जुर्माना लगाने का निर्णय लिया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि दोबारा मेरिट लिस्ट बनाई जाए। नए सिरे से इंटरव्यू लिए जाएं। यह प्रक्रिया तीन माह के भीतर पूरी कर ली जाए। वहीं जुर्माना राशि दो लाख में से 80 हजार मप्र पुलिस कल्याण कोष में, 40 हजार राष्ट्रीय रक्षा कोष में, 20 हजार राज्य विधि सेवा प्राधिकरण में, 20 हजार हाई कोर्ट बार एसोसिएशन में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए 90 दिन की मोहलत दी गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022